दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

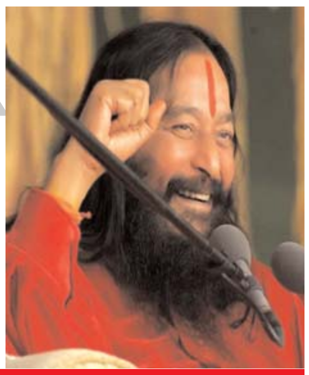

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 120 | ग्वालियर गुरुवार, 16फरवरी 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

एक नजर

उमा भारती, कम्प्यूटर बाबा के बाद अब बागेश्वर सरकार; पॉलिटिकिल गेम का कौन कितना बड़ा खिलाड़ी?

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने में अब गिनती के 250 दिन बचे हैं, लेकिन सियासी तपिश अभी से बढ़ने लगी है. राजनेताओं के साथ ही साधु-संत भी अपने-अपने इलाकों में सक्रिय हो गए है. पिछले दिनों राज्य कांग्रेस के प्रमुख कमलनाथ और बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री के बीच हुई मुलाकात सुर्खियों में है. मुलाकात को भले कमलनाथ औपचारिक बता रहे हों, लेकिन हिंदुत्व और राजनीति की कॉकटेल वाली मध्य प्रदेश की सियासत में बाबाओं और नेताओं का गठजोड़ पुराना है. साधु-संत पहले जमीन पर पकड़ बनाते हैं और फिर धर्म का तड़का लगाकर नेताओं को कुर्सी तक पहुंचाते हैं. कुर्सी पर पहुंचने के बाद राजनेता भी इस कर्ज को बखूबी अदा करते हैं.कथावाचक उमा भारती के सियासी उदय के बाद मध्य प्रदेश की राजनीति में संत भी खुद सक्रिय होने लगे. इनमें कम्प्यूटर बाबा, भैय्यूजी महाराज, हरिहरनंद जी महाराज आदि शामिल हैं. हाल ही में बागेश्वर सरकार के दरबार में भी नेताओं का आना-जाना तेज हो गया है, जिसके बाद उनके सियासी करियर को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है.सत्ता के लिए साधु-संत क्यों जरूरी?

1. माहौल बनाने का काम करते हैं- अधिकांश कथा वाचक या साधु-संत फर्राटेदार बोलते हैं. ऐसे में वे चुनावी साल में राजनीतिक दलों के लिए माहौल बनाने का काम करते हैं. कम्प्यूटर बाबा पहले बीजेपी की शिवराज सरकार के पक्ष में माहौल बना रहे थे, लेकिन आश्रम पर छापे पड़ने के बाद घूम-घूमकर सरकार के विरोध में बयान दे रहे हैं.

चुनावी सालों में राजनीतिक दलों को ऐसे लोगों की विशेष जरूरत होती है, जो किसी मुद्दे पर जनता के बीच माहौल तैयार करें. साधु-संत इस काम को बखूबी से अंजाम देते हैं, जिस वजह से राजनीतिक दलों को संतों खूब भाते हैं.2018 में नर्मदा और क्षिप्रा सफाई को संतों ने ही मुद्दा बनाया था, जिसका उज्जैन, भोपाल, नर्मदापुरम आदि जिलों में खूब असर हुआ. महाकौशल प्रांत में बीजेपी को नुकसान का भी सामना करना पड़ा था.

2. कथा के जरिए जमीनी प्रचार- बुंदेलखंड, निमाड़ और मालवा भाग में कथा का बहुत ही ज्यादा प्रचलन है. ऐसे में इन इलाकों में जो पॉपुलर कथावाचक होते हैं, राजनेता उन्हें बुलाकर कथा करवाते हैं.

भागवत कथा के दौरान कथावाचक नेताओं का खूब गुणगान करते हैं, जिससे लोगों के बीच बढ़िया प्रचार हो जाता है. इतना ही नहीं, कई संत नेताओं को पार्टी का टिकट दिलाने में भी मदद करते हैं. सत्ता में आने के बाद नेता भी संतों और कथावाचकों का कर्ज उतारने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते हैं.

3. समर्थकों से वोट की अपील- एक रिपोर्ट के मुताबिक मध्य प्रदेश की 230 में 100 विधानसभा सीटें ऐसी है, जहां किसी न किसी संत और आश्रम का प्रभाव है. ऐसे में चुनावी साल में सत्ता के लिए ये सभी संत और आश्रम नेताओं के लिए जरूरी हो जाते हैं.कई बार संत सीधे तौर पर वोटरों से किसी पार्टी के पक्ष में वोट करने की अपील करते हैं, तो कई बार अंदरूनी तौर पर संदेश भेज देते हैं. दोनों ही सूरत में राजनीतिक दलों को फायदा होता है.

करीबी मुकाबलों में संतों की भूमिका और ज्यादा बढ़ जाती है. हर चुनाव में 30-40 सीटें ऐसी रहती है, जहां जीत का मार्जिन 5-10 हजार के बीच रहता है.

4. रक्षा कवच के रूप में भी काम करते हैं संत- एमपी सियासत में संत सिर्फ में वोट देने और दिलाने का ही काम नहीं करते हैं. कई बार नेताओं के लिए रक्षा कवच की भी भूमिका निभाते हैं. दिवंगत शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती कई मौकों पर हिंदुत्व के खिलाफ विवादित बयान देने वाले दिग्विजय सिंह का सार्वजनिक बचाव कर चुके हैं.इतना ही नहीं, 2019 में दिग्विजय सिंह जब भोपाल लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे थे तो उनके समर्थन में हजारों संत सड़कों पर उतर आए. बीजेपी ने प्रज्ञा ठाकुर को उतारकर दिग्विजय सिंह को हिंदू विरोधी बताया था.

कहानी संतों और कथावाचकों की, जो पॉलिटिकल गेम के हैं बड़े खिलाड़ीउमा भारती- 1970 के दशक में भागवत कथा के जरिए बुंदेलखंड में मशहूर हो चुकीं उमा भारती ने 1984 में सियासत का दामन थाम लिया. 1984 के चुनाव में भारती को सफलता नहीं मिली, लेकिन 1989 में खजुराहो सीट से वे जीत कर संसद पहुंच गई. इसके बाद उमा भारती बीजेपी के भीतर हिंदुत्व की फायर ब्रांड नेता बनकर उभरीं. 2003 में दिग्विजय सिंह की सरकार जाने के बाद बीजेपी ने उमा भारती को मुख्यमंत्री बनाया. 2004 के बाद कुछ सालों तक भारती सियासी नेपृथ्य में जरूर रहीं, लेकिन 2014 में फिर केंद्र में मंत्री बन गईं.

चीन सीमा पर ऐसे मजबूत होगा मोदी सरकार का वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार (15 फरवरी) को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई, जिसमें कई योजनाओं को मंजूरी दी गई. केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मंत्रिमंडल ने वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के लिए 4800 करोड़ रुपये आवंटित करने की मंजूरी दी है. ये बजट वित्तीय वर्ष 2022-23 और 2025-26 के लिए है. इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने बजट भाषण में भी वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम का जिक्र किया था.उन्होंने कहा था कि सरकार इस प्रोग्राम के तहत उत्तरी सीमा पर कनेक्टिविटी में सुधार के लिए काम करने जा रही है. हालांकि, उन्होंने इस कार्यक्रम के बारे में विवरण नहीं दिया था. तो आइए जानते हैं वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के बारे में, आखिर ये है क्या?सरकार की ओर से जारी प्रेस रिलीज के मुताबिक, चीन की सीमा के साथ सटे भारत के गांवों में बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए इस वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की शुरुआत की गई है. इसमें लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के कुल 19 जिलों के 2966 गांवों में सड़क और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा. इसके अलावा ये कार्यक्रम बॉर्डर एरिया डेवलपमेंट प्रोग्राम से अलग होगा और केंद्र सरकार इसका खर्च वहन करेगी.इस कार्यक्रम के तहत आवासीय और पर्यटन केंद्रों का निर्माण किया जाएगा. उत्तरी सीमा पर दुर्लभ आबादी वाले गांवों में कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे की जरूरत को ध्यान में रखा गया है.

मोदी कैबिनेट का अहम फैसला, बनाई जाएगी 2 लाख सहकारिता समिति, वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम को भी मंजूरी

मोदी कैबिनेट ने बुधवार (15 फरवरी) को कई अहम फैसले लिए. मंत्रिमंडल की बैठक के बाद केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि सरकार सहकारी समितियों को मजबूत करेगी. विभिन्न उद्देश्य के लिये अगले पांच साल में दो लाख प्राथमिक कृषि सहकारी साख समिति (पीएसी)/डेयरी/मत्स्य सहकारी समितियां गठित करने का लक्ष्य रखा गया है.उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं को मजबूत करने के लिए वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम को मोदी सरकार ने मंजूरी दी है. इसके तहत देश की उत्तरी सीमाओं पर बसे गांवों में इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास किया जाएगा. इसके लिए 4800 करोड़

रुपये आवंटित किए गए हैं. अनुराग ठाकुर ने कहा कि लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के कुल 19 जिलों के 2966 गावों में सड़क और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा. यह बॉर्डर एरिया डेवलपमेंट प्रोग्राम से अलग होगा. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूरा खर्च केंद्र सरकार वहन करेगी. उन्होंने बताया कि इससे इन राज्यों के सीमावर्ती गांवों में सुनिश्चित आजीविका मुहैया करायी जा सकेगी जिससे पलायन रोकने में मदद मिलेगी.मोदी कैबिनेट ने सिंकुलना टनल के निर्माण को भी मंजूरी दी. जिससे लद्दाख के लिए ऑल वेदर रोड कनेक्टिविटी मिल जाएगी. इसकी लंबाई 4.8 किलोमीटर होगी. 1600 करोड़ का खर्चा होगा. इससे सैन्य बलों की जमीनी मूवमेंट बढ़ेगी.केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत-चीन एलएसी पर तैनात रहने वाली आईटीबीपी के लिए सात नयी बटालियन, 9,400 कर्मियों के साथ एक ऑपरेशनल बेस की स्थापना को मंजूरी दी है. साथ ही केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिव्यांगता के क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर को मंजूरी प्रदान की. इस द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन से दिव्यांगता के क्षेत्र में संयुक्त पहल के माध्यम से दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार और दक्षिण अफ्रीका सरकार के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करेगा. यह हिंदुस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगा.

बीजेपी ने उठाया मुंबई के समुद्री किनारों पर अवैध निर्माण का मुद्दा, लगाया घोटाले का आरोप

महाराष्ट्र में बीजेपी ने एक बार फिर से समुद्र के किनारे अवैध निर्माण का मुद्दा उठाते हुए घोटाले का आरोप लगाया है. बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने मलाड इलाके में समुद्र किनारे बने कथित अवैध स्टूडियो और बंगले का जायजा लिया और अवैध निर्माण को तोड़ने की मांग की है. इससे पहले हाल ही में मुंबई महानगर पालिका ने 3 अवैध बंगलों को तोड़कर कार्रवाई की थी. बीजेपी नेता किरीट सोमैया का आरोप है कि ठाकरे सरकार के कार्यकाल के दौरान अस्थायी निर्माण के नाम पर छ्र्क्रं (कॉस्ट रेगुलेशन जोन) में अवैध स्टूडियो बनाए गए. अधिकारियों और स्थानीय कांग्रेस विधायक असलम शेख की मिलीभगत से अवैध स्टूडियो बने जिसमें एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का घोटाला हुआ है. किरीट

सोमैया का कहना है कि ये स्टूडियो नियमों का उल्लंघन करके बनाए गए हैं.बीजेपी नेता किरीट सोमैया का आरोप है कि इन स्टूडियो से मलाड इलाके के कांग्रेस विधायक असलम शेख को करोड़ों रुपये रेंट दिया जाता है. उन्होंने आगे कहा कि बीएमसी को इस मामले में कार्यवाही करनी होगी और अवैध स्टूडियो निर्माण करने वालो पर आपराधिक मामला भी दर्ज कराया जाएगा.वहीं, जिस कथित अवैध टीजीआईएफ स्टूडियो की यहां बात की जा रही है, उस स्टूडियो के मालिक टीना धरमसे और सुभाष ने बताया है कि उनके पास सभी तरह के कानूनी कागज हैं. नियमों को मानते हुए ही ये अस्थाई स्ट्रक्चर बनाया गया है. उनका कहना है कि बीजेपी और कांग्रेस की राजनीतिक लड़ाई में उन्हें बलि का बकरा बनाया जा रहा ह

दिल्ली की जेलों में विश्वस्तरीय होगा जैमर सिस्टम, सीएम अरविंद केजरीवाल ने कमेटी गठन को दी मंजूरी

दरअसल, दिल्ली की जेलों में जैमर व्यवस्था को मजबूत करने के लिए उच्च स्तरीय तकनीकी समिति के गठन के लिए कारागार विभाग से प्रस्ताव भेजा गया था?. केजरीवाल सरकार को भेजे गए प्रस्ताव में कहा गया कि डीजी (कारागार) की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय तकनीकी समिति का गठन किया जा सकता है. यह कमेटी जैमिंग समाधान तलाशेगी और उनका परीक्षण करेगी. इसके जरिए पता लगाया जाएगा कि नई तकनीक जेल परिसर में कॉल, स्म्स और डेटा सेवाओं को ब्लॉक करने में कितनी प्रभावी है.इसके बाद सीएम अरविंद केजरीवाल ने कमेटी के गठन को बुधवार को मंजूरी दी. यह कमेटी 5त्र नेटवर्क को ब्लॉक करने के लिए तकनीकी का अध्ययन करेगी और समाधान बताएगी. इस दस सदस्यीय कमेटी के अध्यक्ष डीजी जेल अजय कश्यप होंगे. इसके अलावा कमेटी में आईआईएससी बेंगलुरु प्रो. ए चौकालिंगम, सी-डॉट जॉइंट वायरलैस सुखपाल सिंह, आईआईटी मद्रास प्रो. देवेंद्र जलिहाल, डीआरडीओ वैज्ञानिक मनीष कुमार, सी-डॉट ग्रुप लीडर ब्लूमैक्स स्टीफन, सी-डॉट ग्रुप लीडर देवदास बी, सी-डॉट टीम लीडर संदीप अग्रवाल, आईबी जॉइंट डेप्युटी डायरेक्टर एकेपी पांड्या, एसपीजी एसएसओ टेक संतोष कुमार कमेटी शामिल हैं.

त्रिपुरा में कल वोटिंग, सीएम माणिक साहा, राजीव बनर्जी और सुदीप रॉय बर्मन समेत ये बड़े चेहरे हैं मैदान में

त्रिपुरा की 60 सदस्यों वाली विधानसभा के लिए कल यानी 16 फरवरी को वोटिंग होनी है. चुनाव आयोग ने सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हैं. चुनाव को लेकर सभी पार्टियां जोर-शोर से प्रचार कर चुकी हैं. बीजेपी की सत्ता में वापसी के लिए पीएम नरेंद्र मोदी से लेकर गृह मंत्री अमित शाह ने रैलियां कीं. कांग्रेस की तरफ से गांधी परिवार से किसी ने भी पार्टी के लिए प्रचार नहीं किया, वहीं माकपा नेतृत्व के बड़े नेताओं ने प्रचार में ताकत झोंकी. इन सबके बीच त्रिपुरा के बड़े और कद्दावर नेता इस चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं. राज्य के चुनावी परिणाम 2 मार्च को आएंगे, जिसमें इन नेताओं की किस्मत का ताला खुलेगा. आइए जानते हैं कि त्रिपुरा के कौन से बड़ा नेता चुनावी मौदान में हैं. त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा इस चुनाव में एक बार फिर से टाउन बोरडोवली विधानसभा से चुनावी मौदान में हैं. माणिक साहा कांग्रेस के पूर्व सदस्य रहे हैं. राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब के इस्तीफा देने के बाद साहा को सीएम बनाया गया था. बिप्लब देब के इस्तीफे के बाद माणिक साहा ने उपचुनाव लड़ा और जीत हासिल की थी.राजीव भट्टाचार्य त्रिपुरा बीजेपी के प्रमुख हैं. भट्टाचार्य इस चुनाव में बनमालीपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं. इस सीट से 2018 के चुनाव में बीजेपी के बिप्लब कुमार देब जीते थे. बिप्लब देब के इस्तीफे के बाद राजीव भट्टाचार्य को त्रिपुरा बीजेपी का पार्टी प्रमुख बनाया गया था. केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री प्रतिमा भौमिक भी अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र धनपुर से चुनाव लड़ रही हैं. पार्टी ने उन्हें स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल किया था. प्रतिमा भौमिक पूर्वोत्तर राज्यों से केंद्रीय मंत्री बनने वाली दूसरी नेता हैं. भौमिक को बीजेपी का वफादार माना जाता है. राजीव बनर्जी त्रिपुरा तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष हैं. बनर्जी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी में शामिल हो गए थे, लेकिन वो चुनाव हार गए और एक बार फिर से टीएमसी में शामिल हो गए. बनर्जी ने कहा, ÷हम त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं और उम्मीद करते हैं

बीबीसी दफ्तरों में आईटी का सर्वे रहा जारी, कार्यालय की सुरक्षा बढ़ाई, विपक्षी दलों का केंद्र पर हमला

आयकर विभाग ने बीबीसी के दिल्ली और मुंबई में स्थित कार्यालयों में सर्वे किया है. इस सर्वे को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार बहस चल रही है. इसी बीच दिल्ली में बीबीसी दफ्तर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है. आयकर विभाग की टीम ने मंगलवार (14 फरवरी) को करीब 11 घंटे तक बीबीसी के दफ्तरों में सर्वे किया था. ये सर्वे बुधवार (15 फरवरी) को भी जारी रहा.

विधानसभा चुनाव के बाद छोड़ दूंगा राजनीति, टिपरा मोथा चीफ प्रद्योत किशोर बोले- राजा की तरह...

त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान मंगलवार (14 फरवरी) को खत्म हो गया. गुरुवार (16 फरवरी) को राज्य में मतदान होने हैं. इससे पहले टिपरा मोथा के अध्यक्ष प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा का बड़ा बयान सामने आया है. उन्होंने कहा कि वह 16 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद राजनीति छोड़ देंगे और कभी भी एक राजा की तरह वोट नहीं मांगेंगे. चुनाव प्रचार के आखिरी दिन (14 फरवरी) एक रैली को संबोधित करते हुए त्रिपुरा के पूर्व शाही परिवार के वंशज ने कहा कि कई नेताओं ने गरीब लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ने की उनकी भावना को समझे बिना उन्हें छोड़ दिया है. इसमें वह लोग शामिल हैं जिनके पास भोजन, आवास और शिक्षा की पहुंच नहीं है. उन्होंने कहा कि आज एक राजनीतिक मंच पर मेरा आखिरी भाषण है और वह विधानसभा चुनाव के बाद राजा के रूप में कभी वोट नहीं मांगेंगे. त्रिपुरा में 16 फरवरी को 60 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान होगा और मतगणना दो मार्च को होगी. उन्होंने कहा कि यह निश्चित है कि दो मार्च के बाद वह राजनीति में नहीं होंगे, लेकिन हमेशा अपने लोगों के साथ रहेंगे. वह स्वास्थ्य, शिक्षा, गरीबों को छात्रवृत्ति देने के लिए काम करेंगे. प्रद्योत किशोर ने कहा कि %बीजेपी उम्मीदवार जिष्णु देब वर्मा यह अच्छे से जानते हैं कि जब मैं चुनौती लेता हूं, तो मुझे केवल डोफा (समुदाय) दिखाई देता है. उन्हें इस बात का भी अंदाजा ह

हज के लिए जाने वाले. हिंदू राष्ट्र के सवाल पर क्या कुछ बोले सीएम योगी?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार (15 फरवरी) को एबीपी न्यूज़ के शिखर सम्मेलन में शामिल हुए. इस दौरान योगी आदित्यनाथ ने हिंदू राष्ट्र के मुद्दे पर पर खुलकर एबीपी न्यूज़ के सवालों का जवाब दिया. सीएम योगी (ष्टरूङ्कश्यद्द) ने कहा कि भारत पहले से ही हिंदू राष्ट्र है और आगे भी रहेगा. साथ ही उन्होंने ब्राह्मणों के मुद्दे को लेकर अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा. बागेश्वर धाम के बाबा धीरेंद्र शास्त्री ने हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग की है. भारत को %हिंदू राष्ट्र% बनाने को लेकर आप क्या सोचते हैं, इसपर सीएम योगी ने कहा कि सबसे पहली बात ये है कि हिंदू राष्ट्र से हमारा मतलब क्या है. हिंदू कोई मजहब, संप्रदाय नहीं है, यहां एक सांस्कृतिक शब्दावली है जो हर नागरिक पर फिट बैठती है. सीएम योगी ने कहा कि भारत का कोई व्यक्ति हज के लिए जाता है तो उसका संबोधन हिंदू से होता है, वो हिंदू नाम से जाना जाता है. वहां भारत से जाने वाले शख्स को न मुस्लिम, न हाजी कहा जाता है, वो वहां हिंदू बुलाया जाता है. उन्हें

कोई दिक्कत नहीं है. उस परपेक्ष में अगर आप देखें तो भारत हिंदू राष्ट्र ही है. यहां कोई जातिसूचक, मजहब सूचक शब्द नहीं है. अगर आप इसे मजहब से जोड़ रहे हैं तो आप भूल कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि संविधान के प्रति हर नागरिक के मन में सर्वोच्च सम्मान होना चाहिए क्योंकि वहीं हमारा मार्गदर्शक है. भारत हिंदू राष्ट्र था, है और आगे भी रहेगा. सीएम योगी ने कानपुर की घटना पर कहा कि ये दुखद घटना है, जांच की जा रही है. इस मामले में रिपोर्ट के बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा. अखिलेश यादव ने कहा कि आपके राज में ब्राह्मणों को प्रताड़ित किया जा रहा है. इसपर सीएम योगी ने कहा कि उन्होंने अपने संस्कारों को प्रदर्शित किया है. उन लोगों ने रामचरित मानस की प्रतियां फाड़ी हैं. सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान ये भी बताया कि 2017 के बाद वे कितना बदले हैं. उन्होंने कहा कि वे बिल्कुल वैसे हैं, जैसे 2017 के पहले थे. उन्होंने कहा कि मेरे कपड़े वैसे ही हैं. मेरा व्यवहार वही है. अलग-अलग जगहों पर अलग भूमिका होती है. इसलिए इन अलग जगहों पर अलग रूप में नजर आते हैं. उन्होंने कहा कि मैं अपने लिए कुछ नहीं करता हूं. मेरा सारा जीवन देश और समाज के लिए है.

लिप ग्लॉस का इन 5 कामों के लिए भी हो सकता है इस्तेमाल

ठंड में सर्द हवाओं की वजह से त्वचा की नमी कम हो जाती है, जिससे होंठ फटने लगते हैं। इससे बचाव के लिए लोग लिप बाम या लिप ग्लॉस का इस्तेमाल करते हैं जो होंठों को खूबसूरत, मुलायम और चमकदार बनाने में मदद करते हैं। हालांकि लिप ग्लॉस का इस्तेमाल होंठों को चमकदार और मुलायम बनाने के अलावा अन्य कई कामों के लिए भी किया जा सकता है। आइए आज लिप ग्लॉस के पांच ऐसे ही इस्तेमाल जानते हैं।

आइब्रो जेल के रूप में करें इस्तेमाल

आइब्रो को मनचाहा लुक देने के लिए अब अलग से महंगे आइब्रो जेल लेने की कोई जरूरत नहीं है। इसके लिए आप क्लियर लिप ग्लॉस का इस्तेमाल आराम से कर सकती हैं। इसमें थोड़ी ज्यादा स्थिरता होती है, जो आइब्रो को ऑन-ट्रेंड फेदर लुक देने में मदद कर सकती है। इसके इस्तेमाल से आइब्रो को लंबे समय तक सेट रखने में मदद मिलेगी। यह आइब्रो को भरी, घनी, मोटी और मॉइस्चराइज रखने में मददगार है।

हाइलाइटर के रूप में भी इस्तेमाल करें

हाइलाइटर चेहरे के बेस्ट फीचर्स को हाइलाइट करके चमकदार और मुलायम बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं, लेकिन इसके लिए लिप ग्लॉस का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। लड़कियां अपने चेहरे पर नाक, चीकबोन्स और आइब्रो की हड्डी जैसे विशेष हिस्सों को हाइलाइट करने के लिए लिप ग्लॉस लगाएं और फिर इसे उंगलियों से अच्छे से ब्लेंड करें। यह त्वचा को परफेक्ट ग्लो देने के लिए कारगर है।

बालों में करें इस्तेमाल

लगभग हर लड़की रूखे और बेजान बालों से परेशान होती है, जो उसके पूरे लुक को खराब कर सकते हैं। इससे छुटकारा पाने के लिए लिप ग्लॉस का इस्तेमाल करके बालों को मॉइस्चराइज करके सेट किया जा सकता है। इसके लिए अपने हाथों पर कुछ क्लियर लिप ग्लॉस लगाएं और फिर बालों पर स्वाइप करके लगा लें। इसके अलावा बेबी हेयर को ठीक और सेट रखने के लिए आप हेयरलाइन पर भी इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

याददाश्त बढ़ाने का करे उपचार /प्रयोग

आजकल मनुष्य शांत नहीं बैठना चाहता हैं वह कार्य में व्यस्त रहेगा या फिर मोबाइल में लगा रहेगा इससे मनुष्य की शक्ति का दुरूपयोग भी कह सकते हैं या फिर वह कोई न कोई अनवांछित क्रियायों में लगा रहता हैं। खाली दिमाग शैतान का घर होता हैं इसका मतलब आप मष्तिष्क का अतियोग मिथ्यायोग या हीनयोग करे। शक्ति के रूप तीन प्रकार से उपयोग कर सकते हैं सकरात्मक नकारात्मक या संचयात्मक। वर्तमान में मानसिक तनाव ईर्ष्या चिंता कुंठा जलन प्रतिस्पर्धा आदि के कारण हमारी ऊर्जा इन क्षेत्रों में अधिक खर्च होती हैं जिससे हम बाहर निकलने में बहुत समय खरच करते हैं। याददाश्त कम होने की शिकायत सब करते हैं लेकिन जब तक यह एक गंभीर बीमारी न बन जाए लोग इसके लिए कोई उपाय नहीं करते। याददाश्त को तेज करने के लिए इन बातों को पालन कर सकते हैं। तकनीति से भरे इस समय में किसी चीज को याद रखने की जरूरत नहीं है। यही वजह है कि आज के समय में ज्यादातर लोगों को बातों को याद नहीं रहती। यहां तक की सबसे करीबी व्यक्ति का बर्थडे याद रखने के लिए भी लोग मोबाइल में रिमाइंडर या सोशल मीडिया के नोटिफिकेशन पर डिपेंड रहते हैं। आपकी यह भूलने की आदत अल्जाइमर डिमेंशिया जैसे बीमारी का भी लक्षण हो सकती है। ऐसे में जरूरी है समय रहते अपनी याददाश्त को दुरुस्त करने के उपाय करें।

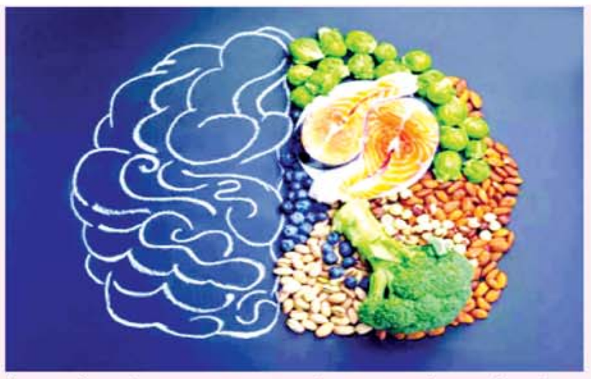

रोज लें 7 घंटे की नींद

नींद याददश्त को बूस्ट करने का काम करता है। दरअसल जब आप रात में सोते हैं तो न्यूरॉन्स (जिन्हें सिनैप्स कहा जाता है) के बीच का कनेक्शन उन यादों को हटाने का काम करते हैं जिनकी आपको जरूरत नहीं होती है। रात के दौरान सिनैप्स की यह चुनिंदा छंटाई आपको अगले दिन नई यादें बनाने के लिए तैयार करती है। एक वयस्क को कम से कम 7-8 घंटे की नींद की आवश्यकता होती है।

नियमित व्यायाम करें

याददाश्त में सुधार करने के लिए रोज शारीरिक गतिविधियों को करने की सलाह देती है। जब एक्सरसाइज या व्यायाम करते हैं जो इससे पूरे बॉडी के साथ दिमाग में ब्लड का सर्कुलेशन बढ़ता है। जिससे सेल्स बेहतर तरह से अपना काम कर पाते हैं।

रोज कुछ नया सीखने की कोशिश करें

याददाश्त को मजबूत बनाने के लिए जरूरी है आप अपने दिमाग को नए चीजों को सीखने में लगाएं। जब आप ऐसा करते हैं तो ब्रेन में नए न्यूरॉन्स कनेक्शन बनते हैं। यह आपके मेमोरी को बूस्ट करने का काम करते हैं।

मल्टीटास्क न करें

हालांकि मल्टी टास्किंग करने वालों की डिमांड आज के समय में काफी बढ़ रही है। लेकिन वास्तव में आपकी यह आदत ब्रेन को डैमेज करने का काम करती है। जब आप दो कामों को एक साथ करते हैं तो आपकी एकाग्रता बट जाती है। जिससे चीजों को याद रखने की क्षमता प्रभावित होती है।

पौष्टिक आहार लें

दिमाग को सही और प्रभावी ढंग से काम करने के लिए पर्याप्त मात्रा में पोषण की आवश्यकता होती है। नियमित रूप से पौष्टिक और संतुलित आहार लेना चाहिए। कुछ फूडआहार है जो दिमाग के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इसमें अखरोट ब्रोकली हल्दी डार्क चॉकलेट आदि शामिल है। इसके अलावा कुछ समय योग या ध्यान में लगाएं। आजकल पेन से लिखने का चलन लुप्त होता जा रहा हैं इसके लिए नित्य एक एक पेज हिंदी अंग्रेजी या अपनी मातृभाषा में जरूर लिखे याददाश्त बढ़ाने के लिए कोई भी विषय को तीन बार लिखो या नौ बार पढ़ो। पर आजकल लिखने पढ़ने का चलन ख़तम होने से मष्तिष्क की क्रियशीलता कम होती जा रही हैं।

आपके मोटापे का कारण बन रही सुबह की ये आदतें, इनमें है बदलाव की जरूरत

हर कोई चाहता हैं कि उनका शरीर सेहतमंद रहने के साथ ही फिट रहें। लेकिन वर्तमान समय की खराब जीवनशैली और अनहेल्दी डाइट के चलते बहुत से लोग बढ़ते वजन से परेशान रहते हैं। वजन बढ़ना आज के समय की एक आम समस्या है। डाइट और एक्सरसाइज अपने मनमुताबिक वजन कम करने और छरहरी काया पाने का सबसे अच्छा तरीका है। लेकिन अक्सर देखने को मिलता हैं कि लोग अपनी कुछ आदतों की वजह से ना चाहते हुए भी मोटेपन का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में आपको अपने दिन की शुरुआत पर ध्यान देने की जरूरत हैं जहां आपको अपनी कुछ आदतों में बदलाव लाने की जरूरत हैं। आइये जानते हैं वजन बढ़ाने वाली इन गलत आदतों के बारे में...

बहुत ज्यादा सोना

अधिक सोने से वजन घटने के बजाय बढ़ने लगता है। दरअसल रात में नौ घंटे से अधिक नींद को ओवर स्लिपिंग माना जाता है। हालांकि सात घंटे से कम की नींद लेने से सेहत पर खराब प्रभाव पड़ता है। अधिक सोने के कारण मोटापा तेजी से बढ़ता है। जबकि दिन में सोने से भी वजन प्रभावित होता है।

सुबह पानी नहीं पीना

सुबह की ये गलती आपकी कमर को आपकी सोच से कहीं ज्यादा प्रभावित करती है। पानी शरीर में हर बायोलॉजिकल फंक्शन के लिए जरूर है, जो शरीर को अधिक कैलोरी जलाने की अनुमति देता है। पानी नहीं पीने से डिहाइड्रेशन और मेटाबॉलिज्म स्लो हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप आपका पेट निकलने लगता है।

नियमित चाय या कॉफी का सेवन

सुबह-सुबह बिना कुछ नाश्ता किए चाय या कॉफी का सेवन सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है, लेकिन भारत में अधिकतर लोगों के दिन की शुरुआत इसी से होती है। अगर आप वजन घटाने की सोच रहे हैं तो यह तरीका उसके लिए सही नहीं है।

सुबह एक्सरसाइज़ न करना

स्टडीज़ से पता चला है कि सुबह खाली पेट एक्सरसाइज़ करने से लोगों को ज्यादा फैट बर्न करने और वजन घटाने में मदद मिल सकती है। एक्सरसाइज़ करने से शरीर का ब्लड सर्कुलेशन ठीक हो सकता है और शरीर के सभी अंग अच्छी तरह से काम करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। वजन बढ़ने से रोकने के लिए हर सुबह एक्सरसाइज़ करें, जिम जाएं, वॉक या रनिंग करें, रस्सी कूदें या जॉगिंग करें।

फेफड़ें की बीमारी के रोगियों की तादाद बढ़ रही

ग्रस्त जीवनशैली और खानपान के कारण फ़ेफड़े के रोगियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। हर साल लाखों लोग फेफड़े सम्बन्धित बीमारी से पीड़ित हो रहे हैं लेकिन केवल ये दो कारण ही इस बीमारी के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। इस बीमारी के बारे में सबसे ख़ास बात यह है कि कई मरीजों को इस बीमारी के बारे में शुरूआत में पता भी नहीं चल पाता है। लोग सामान्यतया खांसी सीने में दर्द कफ बलगम आदि को सामान्य बीमारी की तरह लेते हैं। कई बार तो यही टीबी और फेफड़ों के कैंसर का कारण भी बनता है। इससे जुड़े लक्षणों के बारे में हम आपको बता रहे हैं।

लगातार खांसी

फेफड़ों की समस्या होने पर लगातार खांसी आती है। खांसी एक प्रतिरक्षा प्रणाली है जो म्यूकस यानी जहरीले पदार्थों और बाहरी तत्वों से श्वसन यानी रेस्पिरेटरी नली को साफ करती है लेकिन यदि खांसी अधिक आये तो यह फेफड़ों की बीमारी के संकेत हैं। लगातार खांसी आने की वजह से बुखार डिस्पिनिया म्यूकस में खून आदि की समस्या हो सकती है।

सांस लेने में खरखराहट

फेफड़े सांस लेने में मदद करते हैं। यदि सांस लेने के दौरान खरखराहट या जोर-जोर से आवाज आने लगे तो यह फेफड़ों की बीमारी के संकेत हैं। जब श्वसन मार्ग संकुचित होता है ऊतकों में सूजन या अत्यधिक स्राव या म्यूकस आदि के कारण सांस लेने में समस्या आती है तब यह स्थिति होती है। इसे वीजिंग भी कहते हैं जो फेफड़ों की बुरी स्थिति की ओर संकेत करता है।

खांसी के साथ खून आना

फेफड़ों की बीमारी होने पर खांसी के साथ खून भी आ सकता है। खून के थक्के म्यूकस के साथ खून या फिर सिर्फ खून आ सकता है। यह अत्यधिक खांसी के कारण हो सकता है जो फेफड़ों की गंभीर बीमारी की ओर संकेत कर सकता है। इसे हीमोपटाइसिस कहते हैं जो कि फेफड़े की गंभीर बीमारी के प्रमुख लक्षणों में से एक है।

सांस लेने में समस्या

सांस लेने में समस्या को रेस्पिरेटरी फेल्योर भी कहते हैं यह फेफड़ों की गंभीर बीमारी का एक महत्वपूर्ण संकेत है। एक्यूट रेस्पिरेटरी फेलियोर अत्यधिक संक्रमण फेफड़ों की सूजन धड़कन के ठहरने या फेफड़े की गंभीर बीमारी के कारण हो सकता है। फेफड़े जब खून को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंचा पाते और कार्बन डाइऑक्साइड को सामान्य तौर पर हटा नहीं पाते तो गंभीर समस्या होती है जिसके परिणाम स्वरूप सांस लेने में समस्या होती है।

छाती में दर्द

फेफड़ों की बीमारी होने पर सामान्यत- छाती में दर्द होना होता है। यह छाती की मांसपेशियों और हड्डियों में किसी समस्या की ओर संकेत करता है। यह समस्या छोटी और गंभरी भी हो सकती है। कुछ मामलों में इसके कारण आदमी की जान भी जा सकती है। यदि छाती में दर्द के साथ खांसी और बुखार भी हो तो यह संक्रमण की ओर संकेत करता है।

त्वचा का बदलना

इसका असर पुरुषों की त्वचा पर भी पड़ता है इसकी वजह से व्यक्ति की त्वचा नीली या बैंगनी रंग की हो जाती है। इस स्थिति को साइनोसिस कहते हैं। यह स्पष्टतौर पर होठों और नाखून के इर्द-गिर्द दिखाई पड़ता है। यह स्थिति तब आती है जब खून को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है। साइनोसिस अचानक से दिखाई दे सकता है जो तेज गति या धीमी गति से फेफड़े की गंभीर बीमारी की ओर संकेत करता है।

सूजन की समस्या

फेफड़ों की बीमारी के कारण हाथों पैरों और एड़ी में सूजन हो सकती है हालांकि सामान्यतया सूजन दिल की बीमारी के कारण होती है। इसके साथ छोटी सांस भी आती है। अक्सर दिल और फेफड़े दोनों समस्याओं के लक्षण एक जैसे होते हैं क्योंकि ये दोनों बीमारियां एक-दूसरे अंगों को प्रभावित करती हैं।

फेफड़े की बीमारी केवल बूढ़े लोगों को ही नहीं प्रभावित करती है वास्तव में फेफड़े की बीमारी और फेफड़े के संक्रमण नवजात बच्चे से लेकर हर उम्र तक के व्यकित को हो सकती है। नवजातों की मृत्यु का सबसे बड़ा कारण फेफड़ों की बीमारियां हैं।

नमक का कितना करें इस्तेमाल

नमक का ज्यादा सेवन आपके स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। ऐसे में एक समस्या आपके सामने यह भी आती है कि नमक का कितना इस्तेमाल करें। अगर आप सीमित मात्रा में सेवन करते हैं तो सभी प्रकार के नमक से आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं। मगर यदि आप पूरी तरह स्वस्थ हैं तो आपको टेबल सॉल्ट के सेवन की सलाह दी जाती है। इसका कारण ये है कि सोडियम पोटैशियम और मैग्नीशियम आपको सभी प्रकार के नमक से मिल जाते हैं मगर आयोडिन नहीं मिलता है। ज्यादातर पैकेटबंद टेबल सॉल्ट को आयोडाइज्ड किया जाता है। आयोडिन हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि इसकी कमी से कई गंभीर रोग जैसे- थायरॉइड घेंघा आदि हो जाते हैं। घर पर हम सामान्यतः जो नमक खाना बनाने में इस्तेमाल करते हैं उसे टेबल सॉल्ट या सफेद नमक कहते हैं। ये नमक सोडियम क्लोराइड कहलाता है जो सोडियम और क्लोरीन नामक दो तत्वों को मिलाकर बनता है।

क्यों जरुरी है

शरीर में पानी की मात्रा को नियंत्रित रखने के लिए हमें सोडियम की जरूरत होती है और नमक इसका प्रमुख स्रोत है। दिमाग से शरीर के अन्य अंगों तक सूचनाओं के आदान-प्रदान में सोडियम की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। साथ ही मांसपेशियों की सक्रियता बरकरार रखने में भी सोडियम बहुत मददगार होता है। यह सभी पदार्थों को तेजी से अपनी ओर खींचता है इसलिए इसकी अधिकता से शरीर में पानी की मात्रा बढ जाती है जो सेहत के लिए बहुत नुकसानदेह साबित होती है।

टेबल सॉल्ट या सफेद नमक

टेबल सॉल्ट दुनियाभर में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला नमक है क्योंकि आमतौर पर खाना बनाने में इसी का इस्तेमाल किया जाता है। इस नमक को आयोडाइज्ड किया जाता है ताकि हमारे शरीर को पर्याप्त आयोडिन मिल सके। सफेद नमक में सोडियम 39.1 फीसदी पोटैशियम 0.09फीसदी मैग्नीशियम 0.01फीसदी से भी कम और आयरन 0.01 फीसदी से कम होता है।

समुद्री नमक

समुद्री नमक समुद्र के पानी को वाष्पित करके बनाया जाता है। समुद्री नमक में कुछ मिनरल्स ज्यादा होते हैं जिससे खाने का स्वाद थोड़ा अलग हो सकता है मगर ये सादे नमक जैसा ही है।

थायरॉइड रोग का इस प्रकार करें उपचार

थायरॉइड एक गंभीर रोग है जिसके मरीजों की संख्या हर साल लाखों में बढ़ रही है। लंबे समय तक थायरॉइड जानलेवा भी हो सकता है इसीलिए इस रोग को साइलेंट किलर भी कहा जाता है। थायरॉइड हमारे गले के अंदर स्थित एक ग्रंथि है जो विशेष प्रकार के हार्मोन्स का निर्माण करती है। जब ये ग्रंथि ठीक तरह से काम नहीं कर पाती है और जरूरत से ज्यादा या कम मात्रा में हार्मोन्स का निर्माण करने लगती है तो थायरॉइड की समस्या शुरू हो जाती है। आमतौर पर थकान आना रोग-प्रतिरोधक क्षमता का कमजोर होना जुकाम होना त्वचा का सूखना अवसाद होना वजन बढ़ना और हाथ-पैर ठंडे रहने जैसे लक्षण थायरॉइड का संकेत हैं। थायरॉइड के उपचार के द्वारा इस विकार को समाप्त किया जाता है जिससे थायरॉइड हार्मोन को संतुलित किया जा सके।

इन तरीकों से हाइपरथायरॉइडिज्म का इलाज किया जा सकता है।

एंटीथायरॉइड दवाएं

थायरॉइड में सामान्य समस्याएं जैसे बुखार खांसी जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं लेकिन थायरॉइड के कारण ऐसी समस्याएं होने पर आपको सामान्य दवाएं नहीं खानी चाहिए बल्कि चिकित्सक से पूछ्कर ही दवाएं खानी चाहिए। रोग की शुरुआत में मरीजों को एंटीथायरॉइड दवाएं देकर रोग को नियंत्रित किया जा सकता है। इसलिए थायरॉइड के मरीजों को चिकित्सक से सलाह लेकर एंटीथायरॉइड गोलियां खानी चाहिए। बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीथायरॉइड गोलियां आपके लिए हानिकारक हो सकती हैं।

हाइपरथायरॉइडिज्म के लिए रेडियोएक्टिव आयोडिन

रेडियोएक्टिव आयोडिन के द्वारा थायरॉइड को धीरे-धीरे छोटा किया जाता है और अंत में इसे नष्ट कर दिया जाता है। ये उपचार सुनने में जितना कठिन लग रहा है उतना ही आसान है। ये ट्रीटमेंट हाइपरथायरॉइडिज्म का एक सुरक्षित उपचार है। थायरॉइड के मरीज को रेडियोएक्टिव आयोडिन टेबलेट या लिक्विड माध्यम से दिया जाता है। इस उपचार के द्वारा थायरॉइड की ज्यादा सक्रिय ग्रंथि को काटकर अलग किया जाता है। लगातार आयोडिन स्कैन चेकअप के बाद मरीज को रेडियोएक्टिव आयोडिन दिया जाता है। ये आयोडिन स्कैन हाइपरथायरॉइडिज्म की पुष्टि करता है। रेडियोएक्टिव आयोडिन थायरॉइड की कोशिकाओं को समाप्त करते हैं। इस थेरेपी से शरीर को कोई भी साइड-इफेक्ट नहीं होता है।

रेडियोएक्टिव आयोडिन इलाज

रेडियोएक्टिव आयोडिन 50 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में भी सुरक्षित तरीके से प्रयोग किया जा सकता है। प्रेग्नेंसी में रेडियोएक्टिव आयोडिन ट्रीटमेंट का इलाज नहीं किया जाता है। इससे मां और बच्चे को नुकसान हो सकता है। दिल के मरीजों के लिए यह उपचार बहुत ही सुरक्षित होता है। इस थेरेपी से 8-12 महीने में थायरॉइड की समस्या समाप्त हो जाती है। सामान्यतया 80 प्रतिशत तक थायरॉइड के मरीजों को रेडियोएक्टिव आयोडिन के एक ही खुराक से उपचार हो जाता है लेकिन थाइराइड की समस्या गंभीर होने पर इसके इलाज में कम से कम 6 महीने तक लग सकते हैं।

सर्जरी द्वारा थायरॉइड का इलाज

सर्जरी के द्वारा आंशिक रूप से थायरॉइड ग्रंथि को निकाल दिया जाता है जो कि बहुत सामान्य तरीका है। थायरॉइड के मरीजों में सर्जरी के द्वारा मरीज के शरीर से थायरॉइड के उन ऊतकों को निकाला जाता है जो ज्यादा मात्रा में थायरॉइड के हार्मोन पैदा करते हैं लेकिन सर्जरी से आसपास के ऊतकों पर भी प्रभाव पडता है। इसके अलावा मुंह की नसें और चार अन्य। ग्रंथियां (जिनको पैराथायरॉइड ग्रंथि कहते हैं) भी प्रभावित होती हैं जो कि शरीर में कैल्शियम स्तर को नियमित करती हैं। थायरॉइड की सर्जरी उन मरीजों को करानी चाहिए जिनको खाना निगलने में दिक्कत हो रही हो और सांस लेने में दिक्कत हो। प्रेग्नेंट महिलाएं और बच्चे जिनके लिए थायरॉइड की दवाएं सुरक्षित नहीं मानी जाती हैं उनके लिए सर्जरी उपयोगी है।

02 जनवरी ईएमएस फीचर

महाशिवरात्रि पर करें, शिव-तत्त्व की शाश्वत उपासना

महाशिवरात्रि विशेष: एक साधक के लिए महाशिवरात्रि पर्व आध्यात्मिक उन्नति का पर्व गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी

(संस्थापक एवं संचालक, दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान)

पुष्पांजली टुडे

महाशिवरात्रि फाल्गुन के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी की रात्रि को मनाई जाती है। मनीषी बताते हैं कि यह रात साधारण नहीं, विशेषातिविशेष है। यही कारण है कि हर साल इस बेला पर भारतीय जनता में भक्ति-भावनाओं का ज्वार उमड़ उठता है। अर्चना-आराधना के स्वर गुँजायमान होते हैं। शिवालय धूप-नैवेद्य से सुगंधित हो जाते हैं! पर क्या मात्र खाली पेट रहने; शिवलिंग पर बेल पत्र, जल, दूध इत्यादि का अभिषेक करने से भगवान शिव की सच्ची उपासना हो जाती हैड़ इसका उत्तर हमें महाशिवरात्रि से जुड़ी प्राचीन व्रत कथा से मिलता है। इस व्रत कथा का मर्म गूढ़ के साथ-साथ प्रेरणादायी भी है। आइए, इस कथा में निहित सार को पंक्ति-दर-पंक्ति समझने का प्रयास करते हैं।कथा के अनुसार... हजारों वर्ष पूर्व ईक्ष्वाकु वंश के एक राजा हुए। उनका नाम था- 'चित्रभानु'। राजा चित्रभानु पिछले जन्म में एक शिकारी थे। उनका नाम था- 'सुस्वर'। एक बार वे शिकार करने के लिए जंगल में गए। जंगल में अपने श्वान के संग शिकार को ढूँढ़ते हुए रात्रि हो गई। सो, उन्होंने उसी जंगल में रात्रि बिताने की सोची। यहाँ रात्रि मात्र सूर्यास्त होने का संकेत नहीं है। अपितु यह तो अज्ञानता के घोर अंधकार- 'अज्ञानतिमिरान्धस्य' का प्रतीक है। ऐसी अज्ञानता, जो मानुष में व्याप्त दिव्यता पर पर्दा डाल देती है, जिसके कारण वह अपने और दूसरों के भीतर विद्यमान ईश्वर के प्रकाश को नहीं देख पाता है। जीवन भर इस माया-रूपी जंगल में ही भटकता रहता है।कथा आगे बताती है कि जंगली जानवरों से बचने के लिए सुस्वर किसी वृक्ष पर आश्रय लेने का निर्णय लेता है और अपने श्वान को नीचे छोड़कर नजदीकी बेल वृक्ष पर चढ़ बैठता है। सुस्वर के इस कृत्य के पीछे गूढ़ संदेश छिपा है। यहाँ श्वान मानव की पाशविक वृत्तियों को दर्शाता है। उसको नीचे छोड़कर

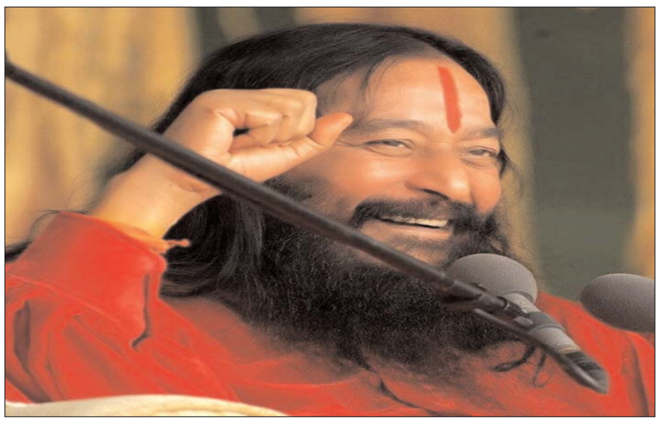

पेड़ पर चढ़ना ऊर्ध्वगामी होना है। यानी दिव्यता की ओर कदम बढ़ाना है। विशेषकर बेल के पेड़ पर चढ़ने का भी अपना महत्व है। बिल्व वृक्ष ताप का परिचायक है। व्याध का बेल वृक्ष पर चढ़कर बैठना, वेद-वेदांत के मर्म यानी तत्त्वज्ञान या ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति का प्रतीक है। अंतर्घट में शिव-तत्त्व को जानने की ओर संकेत है। इसकी प्राप्ति या ऐसी जिज्ञासा का अंत एक श्रोत्रिय-ब्रह्मनिष्ठ गुरु के पास जाकर ही संभव हो पाता है। पूर्ण गुरु ही जिज्ञासु को अलौकिक ब्रह्मज्ञान प्रदान करते हैं।आगे कथा में सुस्वर समय काटने हेतु बेल-पत्तियों को नीचे फेंकता रहता है। संयोगवश ये पत्तियाँ नीचे स्थापित शिवलिंग पर अर्पित होती जाती हैं। व्याध द्वारा शिवलिंग पर बेल पत्र अर्पित करना ध्यान की प्रक्रिया के दौरान आज्ञाचक्र में तीन नाड़ियों के मिलन को दर्शाता है। पहले पेड़ पर चढ़ना, फिर बेल पत्तों को गिराना और फिर व्याध की मशक से शिवलिंग के ऊपर पानी का टपकना। यह शृंखला मात्र संयोग नहीं है। यह स्पष्ट और सूक्ष्म संकेत है, प्रभु शिव की शाश्वत भक्ति अर्थात् ब्रह्मज्ञान की ध्यान-प्रक्रिया का जो एक साधक के अंतस में चलती है। व्याध द्वारा शिवलिंग पर जल को बूँद-बूँद गिराना, ब्रह्मज्ञान की अमृत पान की प्रक्रिया को दर्शाता है।यह मात्र संयोग नहीं था कि पूरी रात्रि सुस्वर क्षुधा से बेहाल था। इस आलंकारिक भाषा के पीछे झाँकने से ज्ञात होता है कि यह स्थिति 'उपवास' की प्रतीक है। इसमें 'उप' का अर्थ है, 'निकट' और 'वास' का अर्थ है- 'रहना'। किसके निकटड़ ईश्वर के! अतः उपवास का अर्थ हुआ- 'ईश्वर के निकट वास करना।' यही तो ध्यान की शाश्वत पद्धति है, जो हमें ईश्वर के प्रकाश स्वरूप का साक्षात् दर्शन कराती है और उस पर एकाग्र होने की युक्ति है। वास्तव में, ब्रह्मज्ञान की ध्यान-प्रक्रिया ही सच्चा उपवास है, प्रभु की सच्ची उपासना है। आशा करते हैं कि आप भी शिव-तत्त्व की शाश्वत उपासना करने के इच्छुक हुए होंगे और ब्रह्मज्ञान प्राप्त करने की ओर अग्रसर होंगे। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से सभी पाठकों को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएँ।

शा. एमलबी कन्या उ. मा. वि. भिण्ड की छात्राओं द्वारा गृह विज्ञान की प्रायोगिक परीक्षा में दिखा ब्लॉक पेंटिंग और बन्देज कला का हुनर

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। 15 जनवरी को शा. म. ल. बा. कन्या उ. मा. वि भिण्ड की छात्राओं के द्वारा गृह विज्ञान की वार्षिक परीक्षा हेतु प्रायोगिक परीक्षा का आयोजन हुआ द्य संस्था की मैडम माधुरी चतुर्वेदी और नीतू दुवे के माध्यम से यह प्रायोगिक परीक्षा ली गयी जिसमें कक्षा 12वी की गृह विज्ञान की छात्राओं के द्वारा विभिन्न प्रकार की हस्तकला और पोषक तत्वों का समावेश करके व्यंजन बनाये गए एवं छात्राओं द्वारा व्यंजनो का महत्व बताया गया द्य इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य स्नेहलता भदौरिया के द्वारा सभी छात्राओं को बधाई और शुभकामनायें दी गयी प्राचार्य ने कार्यक्रम के अवसर पर सभी बोर्ड परीक्षा की छात्राओं से

कहा की परीक्षा की तैयारी में सभी छात्राए मेहनत लगन से तैयारी में जुट जाये, जिस विषय मे कोई परेशानी आ रही हो तो विद्यालय मे आकर विषय विशेषज्ञ शिक्षक से मदद ले सकती हैद्य इस अवसर पर माधुरी चतुर्वेदी मैडम ने कहा की बच्चों के अंदर हुनर की कमी नहीं है हम केवल उनका मार्गदर्शन करें तो हर बच्चे मे कोई ना कोई कला छुपी है,इसी उद्देश्य से बच्चों को ब्लॉक पेंटिंग एवं बंधेज कला तथा वेस्ट मटेरियल से कला कृतिया करना बताया गया जो भविष्य मे उनके व्यवसाय रोजगार मे लाभप्रद होगा द्यइस अवसर पर नीतू मैडम दुवे ने बताया की बच्चियों को हमने कुछ सप्ताह मे दिए गए सुझाव के माध्यम से सभी बच्चियों ने ब? च?कर कलाकृति की अंत मे समस्त विद्यालय के समस्त स्टाफ ने छात्राओं के हुनर को सराहनीय प्रशंसा कर भविष्य की शुभकामनायें दी।इस अवसर पर छात्राएं कु. संध्या, खुशी रुखसार आरती, वर्षा, नेहा,अर्पिता अरविया, राधा, मनीषा, तनु उर्मिला, और अंजली

थाना आलमपुर पुलिस ने ग्राम रूरई में हत्या के 15000 रु. के इनामी 02 आरोपीगणों को किया गिरफ्तार

थाना प्रभारी आलमपुर केदार सिंह यादव की धमाकेदार कार्यबाही

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- पुलिस अधीक्षक भिंड शैलेन्द्र सिंह चौहान एवं कमलेश कुमार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय जिला भिण्ड के द्वारा थाना आलमपुर जिला भिण्ड़ में घटित हत्या के अपराध में चारों आरोपीगणों की गिरफ्तारी हेतु कुल 25000रू का इनाम घोषित किया गया था और आरोपीगणों की शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु निर्देश दिया गया व अवनीश बंसल एसडीओपी अनुभाग लहार जिला भिण्ड के मार्गदर्शन में थाना आलमपुर के अपराध क्र.09/2023 धार 302, 294, 34 भादवि में दिनांक 15/02/2023 को मुझ निरी. केदारसिंह यादव थाना प्रभारी आलमपुर को इलाका भ्रमण के दोरान मुखबिर द्वारा सूचना मिली की गजेन्द्रसिंह उर्फ पटे चौहान पुत्र अमरसिंह उम्र 30 साल निवासी ग्राम रुरई थाना आलमपुर की हत्या के फरार 04 आरोपीगणों में 02 आरोपीगण अपनी ससुराल ग्राम हेतमपुरा थाना सेवढा जिला दतिया आ रहे है मुखबिर %की सूचना पर विश्वास कर हमराही फौर्स को अवगत कराकर, मुखबिर द्वार बताये अनुसार स्थान पर पहुंचकर

छिपकर देखा तो सुबह 06.15 बजे 02 व्यक्ति आते दिखे, पुलिस द्वारा टोका गया तो पुलिस को देखकर आरोपीगण भागने लगे,आरोपीगणों को पुलिस ने पेराबंदी कर पकडा,नाम पता पूछा तो दोनो आरोपीगणों ने अपना नाम पता बताया दोनो आरोपीगणों पर 7500+7500 कुल 15000 रुपये का इनाम श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय जिला भिण्ड के द्वारा घोषित किया गया है एवं दोनो आरोपीगणों पर 03 हत्या, 02 लूट,मारपीट के थाना सेवढा थाना असवार,थाना आलमपुर मे कुल 10 अपराध दर्ज है आरोपीगणो को गिरफ्तार कर मेमो0 लिया गया।घटना से संबंधित आलाजरर जब्त कर धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट इजाफा की गई है।आरोपीगणों को जेआर पर माननीय न्यायालय लहार पेश कर जेल वारंट प्राप्त कर आरोपीगणों को उपजेल लहार दाखिल किया गया है।

सराहनीय भूमिका- निरीक्षक केदार सिह यादव थाना प्रभारी, सउनि शिवदयाल नागर, सउनि मुकेश कुमार, प्र.आर.643 ब्रिजेन्द्र सिह, प्र. आर. 480 सुरेन्द्र वर्मा, प्र. आर. 208 मदन बिहारी, प्र.आर.654 कृपाराम प्रजापति, आर. 483 सिद्धांत कौरव आर. 1346 रामगोपाल, आर.602 प्रदीप कुमार, आर. 515 नारायण, महिला आर. 1295 लाली प्रजापति, सेनिक 135 हुकुमसिंह , सेनिक 69 किलोल, सेनिक 195 कन्हैयालाल की सराहनीय भूमिका रही है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा मालनपुर पहुंची हुआ स्वागत

पुष्पांजली टूडे मालनपुर संवाददाता
पहलवान सिंह राजावत

मालनपुर/ आज औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्र छात्राओं ने भ्रमण किया जो की जिसमें अनेक छात्र व छात्राओं शामिल थी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने औद्योगिक क्षेत्र में स्थित विभिन्न कम्पनियों का भी भ्रमण किया व कम्पनी की भौगोलिक स्थिति का भी जायजा लिया व कम्पनी की मशीनों के बारे में जानकारी ली व मालनपुर के आस पास स्थित विभिन्न पुरातत्व स्थलों का भी भ्रमण किया जिसमें शनिचरा धाम, बटेश्वर, मिटावली जगहों पर भी पहुंचे ओर उनके बारें मे जानकारी ली ये सभी छात्र व छात्राओं नार्थ ईस्ट आसाम नागालेंड आदि जगहों से आज मालनपुर पहुंचे थे आज इन सभी कार्यकर्ताओं का मालनपुर में भारतीय जनता पार्टी ग्वालियर के जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा के पेट्रोल पम्प पर किया गया स्वागत करने वालों में युवा नेता सचिन शर्मा, रमेश गौ?, अमृतलाल गौ?, राहुल जाटव, आकाश जाटव, विकाश सिंह, बंटी तिवारी, सुनील सिंह आदि कार्यकर्ताओं के द्वारा स्वागत किया।

सीरवी समाज मैसूर राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आगाज 19 फरवरी को आईजी कप 2023

पुष्पाजंली टुडे / नारायणलाल सेंणचा

मैसूरू.सीरवी समाज राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता मैसूर के तत्वाधान में रविवार दिनांक 19फरवरी 2023 को प्रात~7~15बजे सीरवी समाज के धर्मगुरु दीवान माधवसिंह के करकमलों से एंव समाज के गणमान्य सदस्यों की उपस्थिती में आयोजन का शुभारंभ किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार चंदन की नगरी मैसूरू में पहली बार सीरवी समाज राष्टीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है ।इस प्रतियोगिता में कर्नाटक राज्य महाराष्ट गुजरात राजस्थान तेलांगना मध्यप्रदेश राज्य से कुल 16 टीमें हिस्सा लेगी, दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 19 फरवरी से होगा वही फाइनल 20 फरवरी को होगा ।आई माता कप 2023 को लेकर समाज बंधुओ में अपनी सच्ची लगन और निष्ठा से बड़े ही उत्साह के साथ कार्यक्रम को लेकर तैयारियां बड़े ही जौरों एवं धूम-धाम से चल रही है ।जिसमें विशेष तोर पर कार्यकर्ताओं द्वारा अलग-अलग टीमों का घट्न कर उन्हें अपना -अपना कार्यभार सौपा गया है ।इस अवसर पर आर.जी.एस. ग्रुप मैसूर रक्तदान महादान गौभक्त संगठन मैसूर की और से दो दिवसीय रक्तदान शिविर एंव केंम्प लगाया जाएगा ।जिसमें निःशुल्क जांच बीपी डायबिटिज ब्लड ग्रूप जांच की जाएगी । इस प्रतियोगिता के आयोजनकर्ता राकेश पंवार,प्रकाश सोलंकी ,भरत चोयल,राजेश चोयल, जितेंद्र काग,अनिल काग ,रतन काग सहित बड़ी संख्या में समाज बंधुओ की उपस्थिति में आयोजन होगा।ये जानकारी श्री आईजी क्षत्रिय विकास सेवा समिति के संस्थापक गुदड़राम काग द्वारा दी गई।

पोरसा पुलिस द्वारा नाबालिग पीडिता का बलात्कार करने वाले आरोपी को मात्र 24 घंटे के अंदर किया गिरफ्तार...

केशब पंडित जी पत्रकार
अम्बाह...

अम्बाह। पुलिस अधीक्षक मुरैना आशुतोष बागरी तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राय सिंह नरवरिया द्वारा हॉल ही में थाना पोरसा अंतर्गत दिनांक 13/02/ 23 को फरियादिया द्वारा थाने पर बलात्कार संबंधी रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जिस पर से अप0क0 67/23 धारा 376,450 ता0हि0 3/4 पॉक्सो एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था, उक्त अपराध के आरोपी को पडकने हेतु पुलिस अधीक्षक जी द्वारा निर्देश प्राप्त हुए थे। उक्त निर्देशों के पालन में एसडीओपी अम्बाह श्री परिमाल सिंह मेहरा के नेतृत्व में मुझ थाना प्रभारी पोरसा रामपाल सिंह जादौन को मुखबिर की सूचना पर से दिनांक 14/02/23 को आरोपी को 24 घंटे के अंदर गिर0 कर मेडिकल परीक्षण कराकर बंद हवालात किया गया, जो माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है।उक्त सराहनीय कार्य में महत्वपूर्ण योगदान थाना पोरसा से थाना प्रभारी आरपीएस जादौन, उप निरी0 रितू भदौरिया प्र0आर0 896 सुरेश प्र0आर0 40 नीरज सिंह तोमर, आर0 नरेन्द्र राजावत, आर0 गोविंद भदौरिया, आर0 पुष्पेन्द्र सिंह, आर0 धीरज, आर0 सुभाष गुर्जर, आर0 शिवम यादव, आर0 प्रमोद कुशवाह, म0आर0 सोनम बैस, म0आर0 प्रियंका दीक्षित, आर0 नरेन्द्र सिंह भदौरिया, चालक मनोज की अहम भूमिका रही ।

एकांकी मार्ग प्रशासन का हवा हवाई सपना

मुंगावली से जितेंद्र राय की रिपोर्ट

एकांकी मार्ग बनाना मुंगावली में प्रशासन का एक हवा हवाई सपना निकला जिसमें कुछ दिनों तक तो शासन-प्रशासन बड़ी जोर शोर से एकांगी मार्ग से वाहनों का आना-जाना हुआ लेकिन वही अब कोई इस नियम का पालन नहीं कर रहा है जबकि इस कार्य हेतु माननीय एसडीएम महोदय और नगर पंचायत अधिकारी महोदय ने संयुक्त कार्रवाई भी की थी लेकिन अब कोई भी इसका पालन नहीं कर रहा है फिर से जाम की स्थिति बन रही है और एकांकी मार्ग का नियम धरा का धरा रह गया पूर्व में घटित चंदेरी रोड पर एक्सीडेंट के कारण एकांकी मार्ग का निर्माण किया गया था

नगर पालिका द्वारा वार्ड क्रमांक 1 से 9 तक निकाली गई विकास यात्रा 250 हुए लाभान्वित

गोहद–आज दिनांक 15/02/2023 को नगर पालिका परिषद गोहद द्वारा विकास यात्रा वार्ड 01 से 09 तक के वार्डो में निकली गयी इसका आयोजन नगर के बस स्टैंड पर किया गया है कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मंजू जगदीश माहौर ने की 7 कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय श्री लाल सिंह आर्य जी राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा उपस्थित रहे 7 मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सुरेन्द्र प्रसाद शर्मा जी के द्वारा शासन द्वारा संचालित विभागवार योजनाओ के लाभार्थियों की जानकारी कार्यक्रम में उपस्थित लोगो को दी, विकास यात्रा में नगर पालिका परिषद गोहद द्वारा स्वीकृति आवेदनों का वितरण मुख्य अथिति एवं अध्यक्ष महोदय के द्वारा किया गया कार्यक्रम में कुल 250 हितग्राहियों की हितलाभ पत्र वितरण किये गए एवं वार्ड 04 में सी सी रोड मय नाली निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया जिसकी लागत 23.54 लाख है 7 उक्त यात्रा में मंडल अध्यक्ष भाजपा विवेक जैन ,वार्ड 05 पार्षद लाखन सिंह गुर्जर, जनप्रतिनिधि प्रमोद कामत,धर्मेन्द्र सिंह गुर्जर ,धर्मवीर सिंह, आशीष शर्मा, हरिओम भटेले, राकेश गौर, अर्चना शर्मा, संजय झा, पिंकी सगर, सुमन गुप्ता, उमा राठौर, प्रतिभा सोनी, सौरव पाण्डेय, विनोद माहौर एवं अन्य लोग उपस्थित रहे

श्रीमंशापूर्ण हनुमान मंदिर की प्रेरणा एवं आशीष कृपा से श्रीराम कथा

संगीत में श्री राम कथा का भव्य आयोजन कलश यात्रा के साथ गणेश पूजन कर प्रारंभ

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

कलश यात्र मनसापूर्ण हनुमान मंदिर से प्रारंभ हुई महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर यात्रा नगर का किया भ्रमण

भिण्ड। श्री मंशापूर्ण हनुमान जी की प्रेरणा एवं असीम कृपा से अखिल ब्रह्मांड नायक मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी की परम पावन जगत नगरी भिंडी ऋषि की पावन तपोभूमि में श्री राम कथा का भव्य आयोजन 15 फरवरी से 23 फरवरी तक आयोजित किया जा रहा है जिसमें श्री राम कथा के जनमानस परम पूजनीय श्री श्री 1008 रामस्वरूपचार्य के मुखारविंद से कथा का रसपान आयोजित होगा जिसमें सभी प्रख्यात संत शामिल होने के लिए संत पहुंचे जहां गणेश पूजन के साथ श्री राम कथा का प्रारंभ किया गया।श्री मंशापूर्ण हनुमान मंदिर टेस्ट के अध्यक्ष एवं सेवा समिति के श्री श्याम सुंदर सिंह जालौन ने बताया कि कथा में शामिल होने के लिए प्रदेश से कई संत इसमें शिरकत करने के लिए भिंड पहुंच रहे हैं।श्रीमंशापूर्ण हनुमान मंदिर से कलशप्रारंभ होकर नगर का भ्रमण कर कथा स्थल पीडब्ल्यूडी कॉलोनी इटावा रोड प्रांगण पहुंचीजहां कथा का प्रारंभ किया सभी मातृशक्ति ने पीले वस्त्र के साथ अपने सिर पर कलश रखकर जय श्री राम की धुन के साथ शामिल हुई और नगर का भ्रमण करती हुई यह यात्रा कार्यक्रम स्थल पर पहुंची

इसी क्रम में गणेश पूजन रामचरितमानस महायज्ञ शिव शक्ति, 16 फरवरी को शिव विवाह, 17 फरवरी को राम जन्म, 18 फरवरी को सुमित राघवन ताड़का वध एवं अहिल्या उद्धार, 19 फरवरी को पुष्प वाटिका राम विवाह, 20 फरवरी को राम वन गमन, 21 फरवरी को भरत चरित्र 22 फरवरी को हनुमान चरित्र 23 फरवरी को राज्याभिषेक की सुंदर कथा का

प्रशन कथा वाचक श्री स्वरूप राम स्वरूपानंद जी के श्री मुखारविंद से प्रारंभ होगा।उन्होंने कहा कि कलश यात्रा से प्रारंभ होकर 23 फरवरी तक चलने वाली श्री राम कथा में भिंड जिले के समस्त धर्म प्रेमी बंधु कथा में शामिल होकर रसपान करेंगे।श्री राम कथा के प्रथम दिवस में श्री राम कथा वाचक चित्रकूट धाम से आए मानस श्री पूजनीय रामस्वरूप आचार्य महाराज ने श्री रामचरितमानस महायज्ञ शिव पुराण की कथा का बहुत ही सुंदर वर्णन कर कहा कि रामचरित बाबा गोस्वामी तुलसीदास की दुआ और चौपाइयों पर आधारित है हम सबको रामचरितमानस एक प्रति जागृत होना पड़ेगा और कथा में भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम कि बड़ा ही महिमा है और भगवान शंकर और शिव शक्ति की कथा में वह रस है जिसका हमें सभी लोगों को कथा का श्रीमद् राम कथा से मानव व्यक्ति को जीवन को जीने की रामचरितमानस की एक महत्वपूर्ण है।श्रवण करना चाहिए। मोदी की चाय मत जाना वहां तो मानसरोवर रामचरितमानस के रूप में आपका महापुराण है भगवान शंकर के हृदय में रामचरितमानस स्थापित है। भगवान शिव के हृदय में ज्ञान के रूप में रामचरितमानस प्रकट हो गया। राम के नाम ने करोड़ों भक्तों का उद्धार किया है।

मदनी: इस्लाम जन्मा भारत में?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के मुखिया महमूद मदनी के बयान र इधर हंगामा मचा हुआ है। हमारे टीवी चैनलों पर आजकल ही सबसे बड़ा मुद्दा बना हुआ है। मदनी के इस कथन का ोई एतिहासिक प्रमाण नहीं है कि ''इस्लाम का जन्म-स्थान रब देश नहीं, भारत है। पहले नवी का जन्म भारत में ही आ है। यह मुसलमानों की मातृभूमि है। इस्लाम को विदेशी जहब मानना एतिहासिक दृष्टि से गलत है और बिल्कुल राधार है।'' ये वाक्य मदनी ने पढ़कर सुनाए थे, जमीयत के 4 वें अधिवेशन में। यों तो मदनी अपने आप में उत्तम वक्ता लेकिन यह समझ में नहीं आया कि ये विवादास्पद वाक्य न्होंने पढ़कर क्यों सुनाए? हो सकता है कि जैसे हमारे बड़े ताओं के भाषण उनके अफसर लिखकर दे देते हैं और वे न्हें श्रोताओं के सामने पढ़ डालते हैं, वैसे ही यह गलती मदनी भी हो गई है। लेकिन इस गलती के पीछे छिपी भावना को मझने की कोशिश की जाए तो लगेगा कि मदनी किसी भी ड़े से बड़े हिंदू से भी कम नहीं हैं। मदनी के पूरे भाषण का ार यह है कि भारत के मुसलमानों की श्रद्धा और आस्था का र्वोच्च केंद्र अगर कहीं है तो वह भारत में ही है। भारत जतना हिंदुओं का है, उतना ही मुसलमानों का भी है। यदि जन्ना को यह बात समझ में आ जाती तो पाकिस्तान बनता ही यों? मैं तो चाहता हूं कि मदनी, ओवैसी तथा कई मुस्लिम ता मेरे उस कथन को दोहराएं, जो कई वर्ष पहले मैंने दुबई हमारे दूतावास द्वारा आयोजित एक बड़ी सभा में कहे थे। स सभा की अगली पंक्ति में कई जाने-माने अरब शेख लोग ी बैठे थे। मैंने कहा था कि मुझे हमारे भारतीय मुसलमानों र गर्व है, क्योंकि वे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ मुसलमान हैं। वे र्वश्रेष्ठ इसलिए हैं कि उनके रगों में पैगंबर मुहम्मद के ांतिकारी सुधारों की धारा के साथ-साथ भारतीय संस्कारों ी सदियों पुरानी पवित्र गंगा भी बहती है। मदनीजी का यह ाषण मेरे इस कथन को और भी अधिक मजबूत बनाता है, योंकि भारत के मुसलमान कौन हैं? वे सब पहले भारतीय थे, हिंदू ही थे और आजकल जिन्हें मुसलमान कहा जाता । अरब, ईरान, तुर्कीए और अफगानिस्तान से आनेवाले ौजियों और सूफी संतों की संख्या कितनी थी? अब तो नकी संतान कौन है और कौन नहीं, यह पता लगाना भी गभग असंभव है। वे विदेशी लोग आटे में नमक की तरह क-मेक हो गए हैं। इसीलिए संघ-प्रमुख मोहन भागवत ठीक कहते हैं कि हिंदु और मुसलमानों का डीएनए तो एक ही । यही बात कुछ नए ढंग से महमूद मदनी कहने की कोशिश र रहे हैं। भारत के हिंदू लोग जिस 'हिंदू' शब्द को बड़े गर्व अपने लिए बोलते हैं, वह भी उन्हें विदेशी मुसलमानों का दिया हुआ है। भारत के किसी भी प्राचीन ग्रंथ में 'हिंदू' ब्द कहीं नहीं आया है।

वेलेण्टा/इन डे: अनंग प्रेम में दाम्स्यत का उत्कमर्ष

राकेश कुमार वर्मा

सूर्योदय से पूर्व जब उषा देवी के ओजस्वीन, चर्न्द्रता(वाणी की मधुरता) प्रेमपूर्ण कमनीय सौन्देर्य से यह प्रकृति हर्षातिरेक से आच्छीदित हो जाती है, तब प्रत्येक जीव अपने कार्य में प्रवृत हो जाता है। उषा शब्द का अर्थ है - प्रकाशमान होना। उषस् सुक्ताम् में उषा को सूर्य की प्रेमिका कहा गया है, जो विलक्षण कलाओं से युक्तब आगे चलते हुए सूर्य को कीर्तिवान बनाती है।

आयतीमग्न उषसं विभाति वाममेषि द्रविणं भिसमाण: ऋषि विश्वाउमित्र कहते हैं कि हे अग्निदेव! ऐसी प्रकाशमान देवी से हवि प्राप्तो कर तुम अभीष्टक(कल्यागणकारी द्रव्यों को अर्पित करने की क्षमता) को प्राप्ती होते हो। लौकिक जीवन में इसी प्रकार मानव दाम्पात्य की सार्थकता को प्राप्ता होता है। इसके लिए एक उचित वय में परस्पेर वरण कर उन्मुसक्त् आनंद को प्राप्ता किया जा सकता है। क्योंतकि-

रूपस्य् हन्ति यशनम् बलस्यक, शोकस्यर योनि॰ निद्यणम रतिणाम्।

अश्वघोष ने वृद्धावस्था् के दोष बताते हुए बुद्धचरित में कहा हैं कि यह रूप का हनन करने वाला, बल का क्षय करने वाला और शोक की योनि(दु॰ख को जन्म देने वाली) है, जहॉं आकर काम (प्रेम) का लोप हो जाता है। प्रेम के देवता कामदेव का आयुध(धनुष) गन्नेु से जबकि उसकी प्रत्यंणचा मधुमक्खी, व ति?तलियों से शोभित है।

काम कुसुम धनु सायक लीन्हे।
सकल भुवन अपनें बस कीन्हे।

अर्थात् शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध से युक्ती बाण इन्द्रियों के श्रोत्र, त्वचा, नेत्र, जिह्वा और नासिका को भेदकर हमें अन्ना, संतुष्टि और प्रसन्ननता के लिए तड़पाते हैं। तात्पपर्य कि उनके बाण जब किसी निर्जीव(पार्थिव) को भेदते हैं तो वह भूख, प्यासस, और कामनाओं की पूर्ति के लिए जीवंत हो उठता है। यही आकांक्षा हमारे भाग्या को निर्धारित करती है। वैसे प्रेम शारीरिक, मानसिक और आत्मिक तलों पर होता है, जिसका संबंध क्रमश॰ शारीरिक विज्ञान, मानसिक स्थिति और शाश्वत(सूक्ष्मसता) से है। यहॉं प्रेम का अर्थ रति से है, जो धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के स्तेरों पर निर्भर करता है। साहित्यों् में गंगा, दमयंती, इला, बुध, गंधवती, देवयानी, सावित्री, रत्नोवली, यक्ष, यक्षिणियों के प्रेम के विविध स्वेरूप मिलते हैं। इसके अलावा द्रोपदी, कुन्तीॉं, अहिल्यां, तारा, मंदोदरी का एक से अधिक विवाह होने के बावजूद उन्हें् पंचकन्याह कहा जाता है । धर्म संभोग केवल संतानोत्पनत्ति का कारक है, यहां न कोई प्रेम होता है और न ही यौनसुख। अपितु यह कामरहित दायित्वाबोध है जहॉं दिति व कश्यनप ने हिरनयक्षा और हिरनकशिपु को जन्म दिया। इसी प्रकार देवहुति और कर्दम ऋषि ने सांख्योॉयोग के जनक कपिल को जबकि ऋषि वेदव्यालस धृतराष्ट, पाण्डुर और विदुर के जन्मददाता बने। काम संभोग में इंद्रियों के कामोन्मा द का शमन किया जाता है। चूंकि समलैंगिक संभोग में कोई प्रजनन नहीं होता अत॰ वह अर्थ संभोग है। यह सौदे के लिए गणिका, नटी और देवदासी वर्ग द्वारा किया जाता है। महाभारत में गुरु ऋण चुकाने के लिए ययाति अपनी पुत्री माधवी का विवाह चार राजाओं से करते हैं। धन प्राप्ति के लिए सत्यमवती (मत्य् भोगंधा) के पिता शांतनु से उसका विवाह करते हैं। यहॉं संभोग (काम) एक व्या पार है जहां न श्रृंगार रस है न ही वात्सेत्या। कथा सरित्सातगर में दीन ब्राम्हनण को धन देकर नपुंसक की पत्नीर को संतानसुख देने के लिए प्रेरित किया जाता है,? जिसे हम नियोग कहते हैं। वहीं जीवन और मृत्यु। के चिरकालिक चक्र से मुक्ति के लिए ऋषि अत्रि और अनुसुइया

के पुत्र मद्यपात्रधारी दत्ताा की गोद में बैठी लक्ष्मीक काम से मुक्ति की ओर संकेत करती है। तंत्रशास्त्र में मत्योता न्द्रयनाथ और गोरखनाथ की कहानियों में कदलीवन की रहस्यनमयी योगनियां उनसे ही शक्तियां बॉंटती हैं जो उनसे संभोग की क्षमता रखते हों। इस प्रकार शास्त्रों में वर्णित विभिन्नद यंत्रयोग में गृहस्थों (नागरिकों) को काम व अर्थ श्रेणी की तथा ब्रम्हरचर्य के साथ ऋषियों को यंत्रयोग अनुकरण की अनुशंसा की गई है। तांत्रिकों के लिए मोक्ष संभोग है, जो तंत्र से जुड़े वामाचार का पालन करते हैं। विवाह वस्तुॉत॰ एक सामाजिक अभिशरण है जो हमें मूल्योंर और उत्तकरदायित्वय से आबद्ध करता है, इसलिए कन्या दान(विवाह) को श्रेष्ठो माना गया। वात्साषयन ने यंत्रयोग सूत्रों की समरत रचना में पुरूष श्रेणी में शश, वृषभ अश्वा और स्त्रियों में मृगी, बड़वा और हस्तिानी को श्रेष्ठग माना है। इस प्रक्रिया में स्विय़ं कन्या , माता, पिता, भाई और अन्या संबंधियों का दृष्टिकोण भिन्नड होता है॰-

कन्या वरेति रूपम, माता वित्त म पिता सुखम्,
बान्ध वा कुल विच्छोन्ति, मिष्ठाकन्नभ मित्रे जना।

अर्थात् वर चयन प्रकिया में कन्याि उसके रूप, माता उसके धन, और पिता उसके भावी सुख, भाई उसके उत्ताम कुल को प्रधानता देते हैं वहीं मित्र और संबंधी विवाह में परोसे जाने वाले व्यं जनों को। समुद्र शास्त्रस में लक्षण के आधार पर कन्याि को मुख्यात॰ 5 भागों में विभाजित किया गया है। पद्मिनी- सुशील, आकर्षक शंखिनी- जिन्हेंक भोग-विलास प्रिय है, चित्रिणी-कलाप्रेमी, हस्तिनी-अनियंत्रित स्वेभाव और पुंश्चली- लज्जोहीन, कठोर स्वधभाव वाली। इस प्रकार उक्त लक्षणों के कारण कन्या अपनी प्रवृत्ति अनुसार विभिन्नण श्रेणियों के वर का चयन करती है। यदि किसी कारणवश विवाह नही हो पा रहा है तो कन्यान और युवक को स्वशयं इसके लिए साम, दाम, भेद सहित समस्तय योगों के साथ प्रयास करना चाहिये। ऐसी स्थिति में युवती को अपने कौमार्य की रक्षा करते हुए इच्छोनुसार वर की प्राप्ति हेतु हर संभव चेष्टात करना चाहिये। इसके लिए उसे युवक को पूर्ण विश्वाकस जीतना होगा। इच्छोशक्ति से डावाडोल युवक के वरण में उसे हानि भी उठानी पड़ सकती है जबकि श्रेष्ठ गुण और विशिष्टन कला में दक्ष अथवा धनवान युवक के वरण में विशेष सावधानी की आवश्यठकता होती है। ऐसे युवक के विवाहेतर संबंध की प्रबल संभावना होती है। कुछ व्यंवसाय, पेशे, कुचेष्टाभ(नागरिकता प्राप्ति में) या षडयंत्र(लव जेहाद) से जुड़े ऐसे लोग भी होते हैं जिन पर विश्वायस नहीं किया जा सकता। यौन हिंसा पश्चौत दवाब पर बनी सहमति की स्थिति में हुए विवाह को सफल नहीं माना जाता, इसलिए युवतियों को संयमित और सावधानीपूर्वक इस ओर बढ़ना चाहिये। वही युवक को भी इसी प्रकार युवती के गुण-लक्षण का विहंगावलोकन करते हुए वरण का प्रयास करना चाहिये क्योंककि, विदुर नीति के अनुसार शिश्ना और उदर के निग्रह में धैर्य अनिवार्य है और इन्द्रींय पर नियंत्रण खोने के कारण आज अपराध, विवाद और रोगों का सम्राज्यन व्याएप्तय है।

भक्तों की सहायता करते हैं ईश्वर

ईश्वर को हम भले ही न देख पाएं लेकिन ईश्वर हर क्षण हमें देख रहा होता है। उसकी दृष्टि हमेशा अपने भक्तों एवं सद्व्यक्तियों पर रहती है। अगर आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि जीवन में कभी न कभी कठिन समय में ईश्वर स्वयं आकर आपकी सहायता कर चुके हैं। उस कठिन समय में आपके अंदर भक्ति की भावना उमड़ रही होगी और आप ईश्वर को याद कर रहे होंगे। शास्त्र कहता है कि ईश्वर के लिए संसार का हर जीव उसकी संतान के समान है। जो व्यक्ति उसके बनाये नियमों का पालन करते हुए जीवन यापन करता है ईश्वर उसकी सहायता अवश्य करते हैं। गजराज की कहानी आपने जरूर सुनी या पढ़ी होगी। नदी में गजराज को मगरमच्छ ने पकड़ लिया। इस कठिन समय में गजराज ने भगवान को पुकारा और भगवान विष्णु प्रकट हो गये। भगवान ने अपने चक्र से मगरमच्छ का सिर काट दिया और गजराज के प्राण की रक्षा की। सूरदास जी के जीवन की भी एक ऐसी ही कथा है। सूरदास जी देख नहीं सकते थे। एक बार गलती से एक गड्ढ़े में गिर गये। गड्ढ़े से निकलने का काफी प्रयास करने पर भी वह बाहर निकलने में असफल रहे। इस स्थिति में सूरदास जी ने गोपाल को पुकारा। भगवान श्री कृष्ण बालक रूप में पहुंच गये और सूरदास जी को गड्ढ़े से बाहर निकाला। मीरा के प्राण की रक्षा के लिए भगवान ने मीरा को मारने के लिए भेजे गये विष को प्रभावहीन कर दिया।

गुरु राम दास नवमी

अरविन्द प्रेमचंद जैन

राम दास या गुरू राम दास सिखों के गुरु और उन्हें गुरु की उपाधि 9 सितंबर 1574 इस में एकमत नहीं है कहीं एक सितंबर तो हीं अलग-अलग तारीख बताई जा रही है) दी गयी थी। उन दिनों जब विदेशी क्रमणकारी एक शहर के बाद दूसरा शहर ाह कर रहे थे, तब चौथे नानक गुरू राम जी महाराज ने एक पवित्र शहर रामसर, कि अब अमृतसर के नाम से जाना जाता का निर्माण किया।

गुरू राम दास (जेठा जी) का जन्म चूना डी, लाहौर (अब पाकिस्तान में) में कार्तिक वदी 2, (25वां आसू) सम्वत 1591 (24 सितम्बर 1534) को हुआ था। माता दया कौर जी (अनूप कौर जी) एवं बाबा हरी दास जी सोढी खत्री का यह पुत्र बहुत ही सुंदर एवं आकर्षक था। राम दास जी का परिवार बहुत गरीब था। उन्हें उबले हुए चने बेच कर अपनी रोजी रोटी कमानी पड़ती थी। जब वे मात्र 7 वर्ष के थे, उनके माता पिता की मृत्यु हो गयी। उनकी नानी उन्हें अपने साथ बसर्के गाँव ले आयी। उन्होंने बसर्के में 5 वर्षों तक उबले हुए चने बेच कर अपना जीवन यापन किया। एक बार गुरू अमर दास साहिब जी, रामदास साहिब जी की नानी के साथ उनके दादा की मृत्यु पर बसर्के आये और उन्हें राम दास साहिब से एक गहरा लगाव सा हो गया। रामदास जी अपनी नानी के साथ गोइन्दवाल आ गये एवं वहीं बस गये। यहाँ भी वे अपनी रोजी रोटी के लिए उबले चने बेचने लगे एवं साथ ही साथ गुरू अमरदास साहिब जी द्वारा धार्मिक संगतों में भी भाग लेने लगे। उन्होंने गोइन्दवाल साहिब के निर्माण की सेवा की।

रामदास साहिब जी का विवाह गुरू अमरदास साहिब जी की पुत्री बीबी भानी जी के साथ हो गया। उनके यहाँ तीन पुत्रों -1. पृथी चन्द जी, 2. महादेव जी एवं 3. अरजन साहिब जी ने जन्म लिया। शादी के पश्चात रामदास जी गुरु अमरदास जी के पास रहते हुए गुरु घर की सेवा करने लगे। वे गुरू अमरदास साहिब जी के अति प्रिय व विश्वासपात्र सिक्ख थे। वे भारत के विभिन्न भागों में लम्बे धार्मिक प्रवासों के दौरान गुरु अमरदास जी के साथ ही रहते।

गुरू रामदास जी एक बहुत ही उच्च वरीयता वाले व्यक्ति थे। वो अपनी भक्ति एवं सेवा के लिए बहुत प्रसिद्ध हो गये थे। गुरू अमरदास साहिब जी ने उन्हें हर पहलू में गुरू बनने के योग्य पाया एवं 10 सितम्बर 1574 को उन्हें चतुर्थ नानक के रूप में स्थापित किया। गुरू रामदास जी ने ही चक रामदास या रामदासपुर की नींव रखी जो कि बाद में अमृतसर कहलाया। इस उद्देश्य के लिए गुरू साहिब ने तुंग, गिलवाली एवं गुमताला गांवों के जमींदारों से संतोखसर सरोवर खुदवाने के लिए जमीनें खरीदी। बाद में उन्होने संतोखसर का काम बन्द कर अपना पूरा ध्यान अमृतसर सरोवर खुदवाने में लगा दिया। इस कार्य की देख रेख करने के लिए भाई सहलो जी एवं बाबा बूढा जी को नियुक्त किया गया।

जल्द ही नया शहर (चक रामदासपुर) अन्तराष्ट्रीय व्यापार का केन्द्र होने की वजह से चमकने लगा। यह शहर व्यापारिक दृष्टि से लाहौर की ही तरह महत्वपूर्ण केन्द्र बन गया। गुरू रामदास साहिब जी ने स्वयं विभिन्न व्यापारों से सम्बन्धित व्यापारियों को इस शहर में आमंत्रित किया। यह कदम सामरिक दृष्टि से बहुत लाभकारी सिद्ध हुआ। यहाँ सिक्खों के लिए भजन-बन्दगी का स्थान बनाया गया। इस प्रकार एक विलक्षण सिक्ख पंथ के लिए नवीन मार्ग तैयार हुआ। गुरू रामदास साहिब जी ने मंजी पद्धति का संवर्द्धन करते हुए मसंद पद्धति का शुभारम्भ किया। यह कदम सिक्ख धर्म की प्रगति में एक मील का पत्थर साबित हुआ। गुरू रामदास साहिब जी ने सिख धर्म को आनन्द कारज के लिए चार लावों (फेरों) की रचना की और सरल विवाह की गुरमत मर्यादा को समाज के सामने रखा। इस प्रकार उन्होने सिक्ख पंथ के लिए एक विलक्षण वैवाहिक पद्धति दी। इस प्रकार इस भिन्न वैवाहिक पद्धति ने समाज को रूढिवादी परम्पराओं से दूर किया। बाबा श्रीचंद जी के उदासी संतों व अन्य मतावलम्बियों के साथ सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध स्थापित किये।

योग के परमाचार्य: परमहंस निरंजनानंद सरस्वती

कुमार कृष्णन

जन्मदिन 14 फरवरी पर विशेष

बात 1956 की है। स्वामी सत्यानंद षिकेश स्थित स्वामी शिवानंद के ाश्रम में रह रहे थे। उन्होंने स्वामी त्यानंद को अपने पास बुलाया और हा कि आपके जाने का समय आ गया । जाओ। दुनिया में परिव्राजक की तरह मो। दुनिया को योग सिखाओ। स्वामी त्यानंद संसार भ्रमण के लिए निकल ड़े। 1963 तक वह परिव्राजक की तरह मण करते रहे। स्वामी सत्यानंद को वे स साल मिले और इस अवधि में निया को सत्यानंद के जरिए योग मिला। न्हीं बीस सालों में मुंगेर में बिहार योग द्यालय की स्थापना हुई, जहां से कल कर सत्यानंद पूरी दुनिया में जाते , और पूरी दुनिया से निकल कर लोग हार योग विद्यालय आते रहे। एक से क प्रामाणिक, वैज्ञानिक योग ग्रंथों का काशन हुआ। बीसवीं सदी में योग का ो पुनर्जागरण होना था बिहार योग द्यालय उसका केन्द्र बन गया और वामीसत्यानंद सूत्रधार।

दुनिया का शायद ही कोई ऐसा हाद्वीप होगा जहां स्वामी सत्यानंद ने योग ा बीज न बोया हो। अरब से लेकर मरीका तक। अफ्रीका से लेकर ास्ट्रेलिया तक। स्वामी शिवानंद का रिव्राजक सन्यासी पूरी दुनिया में घूम म कर योग का बीज बो रहा था, जो ागे चल कर पुष्पित और पल्लवित होने ाला था। लेकिन, एक तरफ जहां वे र्तमान की जमीन पर योग बीज रोपित र रहे थे, वहीं दूसरी तरफ, भविष्य में सके रख रखाव की योजना पर भी काम र रहे थे, ताकि फूल खिलने से पहले रझा न जाए। यह कोई दस-बीस साल ा मामला नहीं था। अब तो यह ताब्दियों का मामला है। एक पवित्र रंपरा के पुनर्जागरण काल में सिर्फ र्तमान नहीं होता। उसका अपना एक विष्य होता है, और उस भविष्य की पनी एक योजना भी। चार साल के स्वामी निरंजन इसी दैवीय योजनाका हिस्सा होकर बिहार स्कूल आफ योगा पहुंचे थे।

1964 बिहार स्कूल आफ योगा और स्वामी निरंजन दोनों के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण साल है। इसी साल मुंगेर में बिहार योग विद्यालय की स्थापना हुई और इसी साल चार साल के निरंजन योग विद्यालय में प्रविष्ट हुए। छत्तीसगढ़ के राजनादगांव में 14 फरबरी 1960 को जन्मे स्वामी निरंजनानंद की जीवन दिशा उनके गुरु स्वामी सत्यांनद द्वारा निर्देशित रही। यहां उन्हें गुरु ने योगनिद्रा के माध्यम से योग और आध्यात्म का प्रशिक्षण दिया। कम उम्र में ही वे इतने योग्य हो चुके थे कि सन् 1971 में स्वामी सत्यानंद ने उन्हें दशनामी सन्यास परंपरा में दीक्षित करने के बाद काम पर लगा दिया। उन्हें विदेशों में योग केन्द्रों की स्थापना करनी थी। जहां योग केन्द्र स्थापित हो चुके थे उनके संचालन को भी सुनिश्चित करना था। उन्हें न सिर्फ योग समझाना था, बल्कि दुनिया की विविध संस्कृतियों को समझना भी था। सांस्कृतिक एकता के यौगिक सूत्रों की खोज करनी थी। अमेरिका से लेकर आस्ट्रेलिया तक। वहां उन्होंने नोबेल पुरस्कार से सम्मानित डॉ जो. कामिया के साथ विशेष तौर पर ध्यान और प्राणायाम के क्षेत्र में अनुसंधान का काम किया। सैनफ्रांन्सिस्को, कैलिफोर्निया के ग्लैडमैन मेमोरियल सेंटर के जापानी डॉ टॉडमिकुरिया ने उन पर ध्यान संबधी शोध किए।

जिस समय स्वामी निरंजनानंद विदेश के लिए निकले, उस समय स्वामी सत्यानंद के योग आंदोलन के परिणामस्वरूप केवल फ्रांस में 77 हजार पंजीकृत योग शिक्षक थे। उस समय के लिए यह बहुत बड़ी तादाद थी। उन दिनों वे सिर्फ इन योग शिक्षकों को प्रशिक्षित करते थे, ताकि वे अपने स्कूलों में लौट कर विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर सकें। बाद में यह आंदोलन रिसर्च ऑन योगा इन एड्यूकेशन के नाम से पूरी दुनिया में फैल गया। यूरोप में इन आंदोलन का सूत्रपात पेरिस की स्वामी योग भक्ति और

कैनेडा में स्वामी अरुन्धती ने आरंभ किया गया। इस आंदोलन का नाम योगा एड्यूकेशन इन स्कूल रखा गया। यह आंदोलन उत्तर तथा दक्षिण अमेरिका में काफी लोकप्रिय हुआ। इसके परिणाम स्वरूप अनेक देशों की शिक्षा पद्धति में मुंगेर के योग को शामिल किया गया। निरंजनानंद सरस्वती ने 11 वर्षों तक, यानी 1983 तक यानी यह सब किया। तेईस साल की उम्र में यह काम पूरा कर वह मुंगेर वापस लौट आये। सामान्य तौर पर इस उम्र में कोई नौजवान घर के बाहर कदम रखता है।

भारत लौट कर वे बिहार योग विद्यालय, शिवानंद मठ और योग संस्थान की गतिविधियों के संचालन में संलग्न हो गए। सन् 1990 में वे सन्यास परंपरा में दीक्षित हुए।1993 में सन्यास परंपरा की मार्तण्ड विभूतियों द्वारा स्वामी सत्यानंदजी के उत्तराधिकारी के रूप में अभिषिक्त हुए। सन् 1995 के शतचंडी महायज्ञ में स्वामी सत्यानंद सरस्वती ने आध्यात्मिक शक्ति उन्हें हस्तांतरित कर, परंपरा के गुरु और परमाचार्य पद पर प्रतिष्ठित किया। इस बीच स्वामी निरंजनानंद ने अथक परिश्रम से बिहार योग विद्यालय को विश्व विद्यालय की प्रतिष्ठा तक पहुँचाया। स्वामी सत्यानंद द्वारा बोये गये योग की फसल की निकाई-गोराई भी एक माली की तरह करते रहे हैं। सन् 1993 के विश्व योग सम्मेलन के बाद गंगा दर्शन में बाल योग मित्र मंडल की स्थापना की गयी। इसका आरंभ मुंगेर के सात छोटे बच्चों से किया गया और आज मुंगेर शहर में ही बाल योग मित्रमंडल 5000 से अधिक प्रशिक्षित बच्चे योग शिक्षक हैं। मुंगेर में यह तादाद 35 हजार और पूरे भारत में 1,50000 है। स्वामी निरंजनानंद सरस्वती कहते हैं– 'बाल योग मित्रमंडल को तीन लक्ष्य दिए हैं – योग के द्वारा संस्कार प्राप्त करना, योग के द्वारा ऐसी प्रतिभा को प्राप्त करना जिससे बिना किसी पर आश्रित रहे अपना जीवन चला सके और योग को आधार बनाकर अपने जीवन को संस्कृति से युक्त कर सके। संस्कार, स्वावलंवन, संस्कृति और राष्ट्र प्रेम यही बाल योग मित्रमंडल के लक्ष्य हैं।' इन बच्चों ने तीन आसनों, दो प्राणायामों, शिथिलीकरण एवं धारणा के एक–एक अभ्यास का चयन किया। यह प्रयोग सात सौ बच्चों पर किया गया और उसकी रचनात्मकता, व्यवहार और व्यक्तिगत अनुशासन पर हुए असर की जांच की गयी तो इसमें गुणात्मक परिवर्तन पाया गया। इन बच्चों को न सिर्फ योग की शिक्षा दी जाती है, बल्कि कराटे, आधुनिक नृत्य, मंत्रोच्चार, स्पोकेन इंगलिस की भी शिक्षा दी जाती है। दरअसल में स्वामी सत्यानंद सरस्वती का स्पष्ट दृष्टिकोण था कि यदि हम बच्चों तक पहुंच पाते हैं और उनके जीवन की गुणवत्ता और प्रतिभा में सुधार ला पाते हैं, तो वे अपनी रचनात्मकता का अधिकतम उपयोग कर अपने भावी जीवन के तनावों और संघर्षो का सामना बेहतर ढंग से कर पाएंगे। ये बच्चे जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय योग मिशन के प्रमुख अंग बन गये हैं। तात्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम दो बार मुंगेर बच्चों के कार्यक्रम में भाग लेने आए । उन्होंने मुंगेर को योग नगरी की संज्ञा दी। स्वप्रेरणा से दूसरी बार बिहार योग विद्यालय के परिसर में पधारे बिहार के तात्कालीन राज्यपाल रामनाथ कोविन्द ने अपने उद्गार में कहा था कि ' मुंगेर न केवल भारत की योग नगरी है बल्कि पूरे विश्व की योग की राजधानी है। इसमें ताकत है और वह ताकत इसलिए यहां हैं क्योंकि यहां की जो साकारात्मकता है वही सब को यहाँ खिंच लती है। ये जो योग शिक्षक यहां से निकल रहे हैं, ये जो बच्चे और बच्चियां हैं, शायद ये लोग योग के संवाहक और बिहार की जो साकारात्मक छवि है उसके लिए संवाहक बन सकते हैं।'

स्वामी निरंजनानंद ने 1994 में विश्व के प्रथम योग विश्वविद्यालय, बिहार योग भारती की तथा 2000 में योग पब्लिकेशन ट्रस्ट की स्थापना की। मुंगेर में विभिन्न गतिविधियों के संचालन के साथ उन्होंने दुनिया भर के साधकों का मार्ग दर्शन करने हेतु व्यापक रूप से यात्राएं की। सन् 2009 में गुरु के आदेशानुसार सन्यास जीवन का एक नया अध्याय आरंभ किया। योग दर्शन एवं जीवन शैली की गहन जानकारी रखने वाले स्वामी निरंजनानंद सरस्वती ने योग, तंत्र, उपनिषद पर अनेक प्रमाणिक पुस्तकें लिखी हैं। योग का मानव प्रतिभा के रूप में किस प्रकार इस्तेमाल हो इसके लिए निरंतर प्रत्यनशील हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि प्रचार में विश्वास न कर काम में यकीन करते हैं। काम ऐसा होना चाहिए कि लोग स्वयं प्रचार करें।

2013 के विश्व योग सम्मेलन के बाद अपनी तरह की यह पहल कुछ ऐसी ही अनूठी है जैसे साठ या सत्तर के दशक में स्वामी सत्यानंद ने विदेशों में की थी। इस सम्मेलन के बाद यौगिक पुर्नजागरण का शंखनाद किया। साथ ही, इसी साल से उन्होंने योग का प्रसाद वितरित करने के लिए योग यात्राओं का सिलसिला आरंभ किया। यौगिक शिक्षण के नए अध्याय को विकसित कर योग को शारीरिक अभ्यास की जगह जीवन शैली में विकसित करने की मुहिम चला रहे हैं। भारत की अनेक प्राचीन विद्याओं एवं परंपराओं की पुनर्पतिष्ठाओं हेतु प्रयासरत हैं। इसी श्रृंखला में वैश्विक स्तर पर योग संबधी एक रोचक घटनाक्रम आरंभ हुआ। वह था अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव, अनुमोदन और अंतत॰ बड़े पैमाने पर आयोजन। इसी श्रृंखला में वैश्विक स्तर पर योग संबधी एक रोचक घटनाक्रम आरंभ हुआ। वह था अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव, अनुमोदन और अंतत॰ बड़े पैमाने पर आयोजन। यह पूरी दुनिया के योग साधकों के लिए एक खास मौका सावित हुआ।

कच्चे घर की यादें

वह घर जहां होश संभाला,
जिसमें मां बाप ने हमें पाला,
वह घर चाहे भले था कच्चा,
प्यार अगाध छुपा था सच्चा,
घूम फिर कर कहीं से भी आ जाते,
सुकून आखिर घर में ही पाते,
मिलजुल कर रहने के हुए वादे,
स्मरण हो उठती हैं कच्चे घर की यादें।

आस-पड़ोस सब में खूब था प्यार,
छोटों को प्रेम बड़ों को सत्कार,
बिना मोबाइल इंटरनेट और टीवी,
बातें थी सभी की सच्ची सीधी,
खटास- तनाव का नहीं था नामो निशान,
सीमित आवश्यकताएं साधन और सामान,
होते थे सभी के नेक इरादे,
स्मरण हो उठती हैं कच्चे घर की यादें।

भूखा घर में अगर कोई आता पेट भरकर जाता,
भिखारी को कोई खाली हाथ नहीं था लौटाता,
मिलजुल कर सभी खुशियों से मनाते त्योहार,
कुछ पल का भले ही गुस्सा अच्छा था व्यवहार,
आंखों के सामने उभर आता है घर का हर कोना,
याद है चूल्हे पर चढ़ी हांडी और कहां था बिछोना,
सभी मिल बांट व्यंजन खाते ,
स्मरण हो उठती हैं कच्चे घर की यादें।

गांव के कच्चे घर भले खंडहर हो चुके,
यादों के झरोखों में सभी लम्हे रुके,
आंखों के सामने चलचित्र की तरह घूमता,
ख्यालों में खोया मन कुछ पल झूमता,
सर्दी गर्मी बारिश की बौछार से बचाया,
कच्चा होते हुए भी विरासत कहलाया,
बड़ी मजबूत थे खिड़कियां और दरवाजे,
स्मरण हो उठती हैं कच्चे घर की यादें।

त्योहार और शादियों पर घर गोबर से लीपते,
तेल के दीये की रोशनी से बच्चे पढ़ना सीखते,
दरवाजों पर नहीं जड़ता था कोई ताला,
बनकर छत्रछाया बुजुर्ग की तरह पाला,
मिट्टी से लोग रहते थे जुड़कर,
अब रह गए लोग अलग कमरों में सिकुड़कर,
बजते हैं कान में अब भी वही गाजे-बाजे,
स्मरण हो उठती हैं कच्चे घर की यादें।

सूरजलाल टेकाम के अंधे हत्याकाण्ड का लांजी पुलिस ने किया खुलासा

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजली टुडे बालाघाट

लांजी- लांजी पुलिस को अंधे हत्याकाण्ड में बडी सफलता हासिल हुई, पुलिस ने हत्याकारित करने वाले आरोपी को घटना में प्रयुक्त हथियार सहित गिरफतार कर न्यायालय में पेश किया है। हत्या काण्ड के संबंध मे बतादे कि 9 फरवरी को सूरजलाल टेकाम निवासी अतिनक्सल प्रभावित ग्राम दुमहान झकोरदा ग्राम लातरी में दशरथ तिलगाम के यहां बारसा में शामिल होने गया था जोकि रात्रि में वापस घर नही लौटा एवं अगले दिन सुबह उसका शव देवनदी के पास बरामद हुआ। जिसकी जांच पडताल में उसके गले पर तेज धारदार हथियार से कटने का निशान पाये गये। जिस पर प्रथम दृष्ट्या प्रकरण हत्या का पाये जाने से लांजी पुलिस के द्वारा थाना लांजी में अपराध क्रमाँक 40/2023 धारा 302 भादवि का कायम कर विवेचना मे लिया गया। सुरज टेकाम के हत्या मामले मे पुलिस के सामने भारी चुनौती थी, एक तो संपूर्ण मामला अतिनक्सल प्रभावित क्षेत्र का दुसरी ओर अंधे हत्याकाण्ड का जहां पुलिस के पास प्राथमिक रूप से कोई सुराग नही था लेकिन लांजी पुलिस ने अपनी तत्परता एवं सुझबुझ से अंधे हत्याकाण्ड में सुराग ढुंढ ही निकाला और पंहुच गई हत्यारे तक, बतादे कि घटना स्थल अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र में होने से घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बालाघाट द्वारा टीम का गठन कर पतारसी हेतु निर्देशित किया गया विवेचना के दौरान आस पड़ोस के लोगो के कथन एवं गोपनीय रूप से की गयी टीम को पतासाजी में जानकारी ज्ञात

हुई कि ग्राम तुम्मा निवासी प्रताप सिंह उईके घटना दिनांक के बाद से गाँव मे नही दिखा एवं विस्तृत रूप से सूचना संकलन मे यह जानकारी मिली की मृतक सूरजलाल टेकाम का लगभग 02 वर्ष पूर्व प्रताप सिंह उईके से विवाद हुआ था। मिली जानकारी के अनुसार प्रताप सिंह उईके के संबंध मे पतासाजी की गई तथा मुखबीरों को सक्रिय किया गया एवं मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर 14 फरवरी 2023 को संदेही प्रतापसिंह उईके को ग्राम तुम्मा के जंगल क्षेत्र से हिरासत मे लिया गया। पुलिसिया पूछताछ के दौरान प्रताप सिंह उईके ने बताया कि कुछ समय पूर्व मेरी 2 बेटियाँ एवं पत्नि कि बीमारी की वजह से मृत्यु हो गयी थी जिनकी मृत्यु के संबंध मे मुझें शंका थी कि उनकी मृत्यु सूरजलाल टेकाम के द्वारा जादूटोना करने के कारण हुयी है। इसी का बदला लेने के लिये आरोपी प्रताप सिंह उईके ने सूरजलाल टेकाम की दशरथ तिलगाम के यहाँ से वापस आते समय मौका पाकर धारधार कुल्हाडी से हत्या कर दी। आरोपी के बताये अनुसार हत्या मे प्रयुक्त कुल्हाडी आरोपी से जप्त की गयी। आरोपी प्रताप सिंह उईके को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय प्रस्तुत किया जावेगा।

इनका रहा विशेष योगदान-अंधे हत्याकाण्ड की गुत्थी सुलझाने मे इन अधिकारी कर्मचारियो की सराहनीय भूमिका रही जिसमें पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, विजय डाबर के मार्गदर्शन मे अनुविभागीय अधिकारी पुलिस लाँजी दुर्गेश आर्मो के नेतृत्व मे थाना प्रभारी लांजी दिनेश सोलंकी, चौकी प्रभारी डाबरी उनि छत्रपाल सिंह तोमर, उनि विजय सनस, सउनि फूलचंद गजभिये , आरक्षक नरेन्द्र सोनवे, राघवेन्द्र टेकाम, सुजीत पाल, रूपसिह रावत, भूपेन्द्र नागवंशी, नरेश भंडारी, आरक्षक चालक विजय हरदिया, चालक अभिषेक मालवीय की महत्वपूर्ण भूमिका।

महेंद्र मुणोत ने पूजा :अर्चना कर अन्नदान का किया शुभारंभ

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू ।श्री क्षेत्र धर्मस्थला पदयात्रा समिति लगेरे द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने मंजूनाथ स्वामी भगवान की पूजा अर्चना कर अन्न दान कार्यक्रम का शुभारंभ किया एवं पद यात्रियों के सफल एवं सुखद पदयात्रा की कामना की आयोजकों ने महेंद्र मुणोत को सम्मानित किया ।

सन्मति किड्स विद्यालय का वार्षिकोत्सव संपन्न

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। शहर के सन्मति किड्स विद्यालय में तृतीय वार्षिकोत्सव ग्रामीण महिलाओं को मुख्य धारा में लाने के उद्देश्य से महिला सशक्तिकरण विषय पर 14 फरवरी को जिले के पटेरा नगर में स्थित विद्यालय में आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि के रूप में जिला न्यायाधीश, जिला एवम सत्र न्यायालय दमोह श्रीमती रजनी प्रकाश बाथम की गरिमा पूर्ण उपस्थित रही। उनके साथ साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में रुद्राक्ष हर्ब्स की मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती स्मृति खरे, भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती शिखा जैन भी उपस्थित रहीं। अतिथियों का स्वागत विद्यालय की सह संचालिका श्रीमती सुलेखा जैन ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन, सरस्वती पूजन तथा णमोकार मंत्र के मंगलाचरण से हुई। उसके बाद नन्हे मुन्ने बच्चों के आकर्षक नृत्यों ने जनता का मन मोह लिया । महारानी लक्ष्मीबाई के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिका मणिकर्णिका, महिलाओं के खिलाफ ब?ते अपराधों पर आधारित माईम एक्ट, घरेलू हिंसा पर आधारित नाटिका, एवम महिला सशक्तिकरण विषय पर किया गए विभिन्न कार्यक्रमों को जनता ने खुद सराहा। विद्यालय की कार्यशैली तथा भविष्य की योजनाओं पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री का भी प्रदर्शन किया गया। तथा महिला सशक्तिकरण संबंधित एक पोस्टर प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम के मध्य में मुख्य अतिथि श्रीमती रजनी प्रकाश बाथम ने महिला सशक्तिकरण विषय पर अपना उद्बोधन दिया। उन्होंने अपने उद्बोधन में बच्चों को जीवन में मां के महत्व को बताते हुए कहा कि वे आज जिस पद पर हैं वह अपनी मां के कारण ही है। उन्होंने कहा नारी तो पैदा ही सशक्त होती है। बस आवश्यकता है उसे पहचानने की। कार्यक्रम में पटेरा नगर के सभी गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही जिनमें नगरपरिषद अध्यक्ष श्रीमान दुल्ली अहिरवाल, उपाध्यक्ष दीपक ताम्रकार, भारतीय जैन संघठन बीजेएस के जिला अध्यक्ष राकेश जैन पलंदी के अलावा समस्त पार्षदों की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका रिया राजपूत एवं रक्षा शुक्ला ने किया। विद्यालय के डायरेक्टर अमित जैन के द्वारा सभी के आभार प्रदर्शन के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ।

विकास यात्रा के दौरान अधिकारियों को जल्द से जल्द ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करने के दिये निर्देश:विधायक धर्मेंद्र लोधी

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। जबेरा विधानसभा में विधायक धर्मेन्द्र सिंह लोधी हर ग्राम में विकास यात्रा लेकर पहुंच रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा की शिवराज सरकार रीति नीति है कि पंक्ति के अंतिम छोर में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं को पहुंचाया जाये है। उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी हर ग्राम पंचायत स्तर पर रखी और नागरिकों की समस्याओं को सुना और साथ चल रहे सरकारी अमले के अधिकारियों को लगातार एरिया की सभी समस्याओं का निराकरण जल्द से जल्द कराने के निर्देश दिये है।विकास यात्रा में अतिथि शिक्षकों ने आवेदन के माध्यम से विधायक श्री लोधी को बताया कि हम अतिथि शिक्षकों को परमानेंट किया जाए। इस दौरान विधायक ने कहा कि आप लोगों की मांग को प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के

द्वारा एक आवेदन सौंपा गया, आवेदन के माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि हमारा मानदेय बढ़ाया जाए, विधायक ने कहा कि जल्द ही आप लोगों की मांगों को प्रदेश सरकार के समझ रखूंगा। सभा को संबोधित करते हुए विधायक लोधी ने कहा कि शिवराज सरकार की जितनी भी योजनाएं हैं कि अगर उन सभी योजनाओं का बखान किया जाए तो सुबह से शाम हो जाएगी, लेकिन सरकार की सभी योजनाएं बता नहीं पाऊंगा। इसी क्रम में बड़ी संख्या में जनता के द्वारा प्रधानमंत्री आवास, राशन वितरण भूमि संबंधित समस्या, पेंशन योजना की शिकायतें विधायक को बताई गई। विधायक ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण इन योजनाओं में 4 अधिकारी हैं, जिनमें प्रमुख रूप से सहायक सचिव, सचिव, सेल्समेन एवं पटवारी अगर यह सभी पूरी ईमानदारी से अपना कार्य करें तो गरीब लोगों को इन सभी योजनाओं का लाभ जल्द से जल्द प्राप्त हो जाए लेकिन यह लोग अपना कार्य ईमानदारी से नहीं कर रहे हैं जिससे गरीब असहाय लोगों को लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द सभी समस्याओं का निराकरण किया जाए अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। विकास यात्रा लेकर विधायक लोधी ने ग्यारहवें दिन जनपद तेंदूखेड़ा की सभी ग्राम पंचायतें सांगा, हर्रई, तेजगढ़, पतलोनी, सुनवाई उमरिया, करौंदी ,छिरकोना, माड़ानखेड़ा पहुंचे जहां सभी की समस्याएं सुनी एवं सभाओ को संबोधित किया तथा वहां मौजूद बुजुर्गों का सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

ग्राम पंचायत मोहदा में 6 दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता किया गया आयोजन

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी ग्राम पंचायत मोहदा के कचना ध्रुवा क्रिकेट स्टेडियम अड़ार (मोहदा)मे 6 दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का एम सी सी क्रिकेट क्लब एव समस्त ग्रामवासियो के सहयोग से आयोजन किया जा रहा है जिसमे क्षेत्र भर से 40 टीमे भाग ले रही है जिसका आज बुधवार को उद्घाटन मैच पारागांवडीह और जंगल धवलपुर के मध्य खेला गया कार्यक्रम की मुख्य अतिथी युवा कांग्रेस बिद्रानवागढ विधान सभा महासचिव यशवंत कुमार यादव आयोजक समिति अध्यक्ष घासीराम यादव उपाध्यक्ष सुन्दरलाल ध्रुवा सचिव मन्नु लाल नेताम

कोषाध्यक्ष पंचराम दीवान युवा कांग्रेस ग्राम अध्यक्ष + पंच मोहदा नुतन मरकाम ग्राम झाखर खगेश यादव राजीव गांधी युवा मितान क्लब अध्यक्ष मोहदा शिवचरण दीवान सभी अतिथियो के द्वारा गांव की माटी महतारी शीतला मैया की पूजा अर्चना करके मैच को प्रारंम्भ किया गया जिसमे ग्राम प्रमुख मन्नु ध्रुवा बिहारी नेताम लाभा दीवान भुवन दीवान देवसिह दीवान जगदेव यादव बिसाहु मरकाम कुशा राम यादव युगल किशोर यादव यशवंत नेताम लोकेश यादव टार्जन नेताम हुमन नागेश आयोजक समिति के द्वारा सभी अतिथियो का भव्य स्वागत किया गया एव ग्रामवासीयो क्षेत्रवासीयो बड़ी संख्या मे उपस्थित होकर उद्घाटन समारोह कार्यक्रम को सफल बनाए

गरियाबंद में आज आयोजित होगा भाजयुमो का एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग,ज़िले भर से पहुँचेंगे युवा तरुणाई

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद। भाजयुमो प्रदेश प्रशिक्षण वर्ग एवं कार्यसमिति के उपरांत जिला स्तरीय प्रशिक्षण एवं कार्यसमिति बैठक जिला केंद्र गरियाबंद में रखी गई है.जिसमे बैठक प्रभारी रितेश मोहरे प्रदेश उपाध्यक्ष भाजयुमो,भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश साहू पिछ?ा वर्ग मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व सांसद चंदूलाल साहू किसान मोर्चा प्रदेश प्रभारी संदीप शर्मा,पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय भाजपा जिला महामंत्री अनिल चन्द्राकर,गरियाबंद पालिका अध्यक्ष गफ्फू मेमन,भाजपा गरियाबंद मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र सोनटके के उपस्थिति में सम्पन्न होगा जिसकी जानकारी भाजयुमो गरियाबंद जिलाध्यक्ष डॉ योगीराज माखन कश्यप ने दीं.डॉ. कश्यप ने बताया कि आगामी समय की कार्य योजना एवं स्थानीय जनसमस्या पर प्रस्ताव पारित किया जाना है जिसको लेकर आगामी 3 माह तक युवा मोर्चा के द्वारा चरणबद्ध आंदोलन की रूपरेखा तैयार किया जाना है प्रशिक्षण में संगठन को मजबूत बनाने की दृष्टि से विषय लिया जाएगा वरिष्ठ नेताओं का बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त होना है यह बैठक को बहुत ही अहम बैठक माना जा रहा है लगातार भाजपा और युवा मोर्चा की बैठक जोरों से है पिछले 9 फरवरी को प्रदेश प्रभारी ओम माथुर जी राजिम में बैठक लेकर गए है युवा मोर्चा को बल देने और मैदान में उतारने की पूरी तैयारी संगठन कर चुकी है अंतिम नियोजन का कार्यक्रम चल रहा है भाजपा प्रदेश की कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री भुपेश बघेल की नाकामी को जनमानस तक ले जाने की पूर्ण योजना बना चुकी है बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी,कार्यसमिति सदस्य,स्थाई आमंत्रित सदस्य,विशेष आमंत्रित सदस्य तथा सभी मंडल अध्यक्ष महामंत्री उपस्थित रहेंगे।

18 घंटे में 3 गुमशुदा नाबालिग बच्चों को बालाघाट पुलिस ने सकुशल खोज निकाला

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजली टुडे बालाघाट

लांजी- लांजी थाना अन्तर्गत ग्राम कलपाथरी निवासी चौके परिवार के तीन नाबालिक बच्चे 14 फरवरी के सुबह स्कूल समय पर घर से निकले लेकिन शाम तक घर वापस नही लौटे, समय पर बच्चो के घर वापस नही आने पर अफरातफरी का माहौल बन, शाम से रात होने लगी और बच्चो के माता पिता तथा अन्य परिजनों की चिंताऐं बढने लगी, आस पड़ोस में, रिश्तेदारों में तथा स्कूल के शिक्षको से बच्चो के विषय मे जानकारी ली गई लेकिन कुछ पता नही चल पाया, इस दौरान घटना की सूचना लांजी पुलिस को दी गई, जिसमें पुलिस को बताया गया की लापता तीन बच्चो में कु. अंजली पिता झनक चौक उम्र लगभग 16 वर्ष कक्षा 10वी, देवराज पिता गणपत चौके उम्र 10 वर्ष कक्षा 6वीं, खुरेन्द्र पिता चमन चौके उम्र 10 वर्ष कक्षा 6वीं तीनो बच्चे बाजारटोला कलपाथरी निवासी है, बच्चों के लापता होने के संबंध में परिजनो के द्वारा लांजी पुलिस में गुम सूचना दर्ज कराई गई, मामला बच्चो से एवं नाबालिक लड?ी से संबंधित था जिसको लेकर रात्रि करीब 8–30 बजे लांजी पुलिस हरकत में आई और बच्चो के ग्राम बाजारटोला कलपाथरी पंहुची, जिनमें लांजी एसडीओपी दुर्गेश आर्मो, थाना प्रभारी दिनेश सोलंकी, किरनापुर थाना प्रभारी शिवपुजन मिश्रा सहित लांजी एवं किरनापुर पुलिस बल मौका स्थल पर पंहुचकर पतासाजी प्रारंभ करते हुये सभी तथ्यों को खंगाले। लेकिन रात्रि में बच्चो का पता नही चल पाया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई बच्चो की तस्वीरें-कलपाथरी से लापता हुये बच्चो के संबंध 14 फरवरी के मध्य रात्रि से ही बच्चो की तस्वीरे लांजी पुलिस के द्वारा सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्म मे वायरल की गई, जो कि अनेको व्हाट्सएप्प ग्रुपो के सदस्यों के द्वारा भी

वायरल की गई ताकि जल्द से जल्द उक्त बच्चो की पतासाजी हो सके।

छिंदवाड़ा से बेहरई बस में एवं बेहरई से पुलिस वाहन में लांजी पंहुचे बच्चेबच्चो की पतासाजी हेतु पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ के द्वारा एक टीम गठित की गई थी जिसमें एसडीओपी दुर्गेश आर्मो के नेतृत्व में थाना प्रभारी लांजी दिनेश सोलंकी, थाना प्रभारी किरनापुर शिवपूजन मिश्रा सहित लांजी एवं किरनापुर पुलिस बल के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे जिनके द्वारा तीनों बच्चो के पतासाजी हेतु अपने मुखबिर तंत्र सक्रिय करते हुये पतासाजी की गई, पुलिस को पता चला बच्चे छिंदवाड़ा पंहुच चुके है और 15 फरवरी को सुबह किसी बस में बालाघाट के लिये निकल चुके है, किरनापुर थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा, रजेगांव चौकी प्रभारी शंशाक राणा तथा पुलिस बल के द्वारा बालाघाट से सिवनी तक हर एक बस की तलाशी ली जा रही थी, जिस पर बेहरई जंगल के पास एक निजी बस को रोका गया जिसमें यह तीनों बच्चे पिछे सीट पर बैठे हुये थे, बच्चो के फोटो से उनके मिलान एवं नाम पुछे जाने पर बच्चो ने पुलिस को जानकारी दी, जिस पर पुलिस के द्वारा तीनो बच्चों को अपनी पुलिस वाहन सुरक्षित बैठाकर लांजी थाना लाया गया एवं बच्चो को सकुशल परिजनों के सुपूर्द किया गया।

बच्चो के माता पिता एवं सरपंच ने किया पुलिस का आभार व्यक्त-लांजी पुलिस के द्वारा 24 घंटे के भीतर ही बच्चो की पतासाजी कर ली गई थी, क्योंकि मामला था तीन नाबालिक बच्चो को जिसमे दो नन्हे बच्चे एवं एक बालिका, इस प्रकार की घटनाओं में कुछ संभव है अनेको सवाल इनके पीछे खड़े होते है, कंही कोई अनहोनी तो नही हो गई, परिजनो का इन 24 घंटो मे बुरा हाल था, जहां पुलिस अपनी तरीके से कार्य कर रही थी वही परिजन भी लांजी बालाघाट, आमगांव गोंदिया, बस स्टैण्ड रेल्वे स्टेशन पंहुचकर छानबीन कर रहे थे,इसी बीच परिजनो को खबर आई की बच्चे सकुशल मिल गये है यह खबर दी गई पुलिस के द्वारा, परिजनों चेहरे खिल उठे एवं तत्काल पुलिस थाना लांजी पंहुचे, वंही दुसरी ओर किरनापुर पुलिस की टीम बच्चो को लेकर सकुशल लांजी थाना पंहुची, पीछे से एसडीओपी लांजी भी पंहुचे एवं बच्चो से उनके माता पिता को मिलवाया, जैसे ही बच्चे माता पिता एवं दादा दादी से मिले तो गले लगकर खुशी जाहिर की, बच्चो के तथा परिजनों के आंखो मे आंसु थे, और आंखे नम होते हुये पुलिस को धन्यवाद ज्ञापित कर रही थी की पुलिस की तत्परता एवं सजगता से हमारे बच्चे आज सकुशल हमारे पास है, सरपंच लिकेश ऐडे एवं सरपंच अरूण कबीरे तथा लालचंद नौखरे के द्वारा भी पुलिस टीम का धन्यवाद ज्ञापित कर आभार व्यक्त किया गया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका-तीनो लापता बच्चो की 24 घंटे के भीतर पतासाजी कर सकुशल बच्चो को घर वापस लांने में एसडीओपी लांजी दुर्गेश आर्मो, निरीक्षक दिनेश सोलंकी थाना प्रभारी थाना लांजी, उपनिरीक्षक शिवपूजन मिश्रा थाना प्रभारी किरनापुर, उपनिरीक्षक अतुल सिंह सोलंकी चौकी प्रभारी देवर वैली, उपनिरीक्षक राजकुमार ठाकुर, उप निरीक्षक हरिओम रघुवंशी चौकी प्रभारी किन्ही, उपनिरीक्षक शशांक राणा चौकी प्रभारी रजेगांव, प्रधान आरक्षक पवन मर्सकोले थाना लांजी, आरक्षक सुजीत पाल थाना लांजी आरक्षक विजय हरदिया थाना लांजी का सराहनीय योगदान रहा।

इनका कहना है-

संपूर्ण घटना के संबंध में एसडीओपी दुर्गेश आर्मो ने बताया कि हमको कलपाथरी से कुछ परिजनों के द्वारा सुचना दी गई कि हमारे बच्चे 10–30 बजे स्कूल गए थे और शाम को छुट्टी होने के पश्चात घर नहीं पहुंचे। सूचना मिलने पर हम लोग गांव पहुंचे और परिजनों से बातचीत की उनके सहपाठियों से भी बातचीत की और शिक्षकों से भी बातचीत की। उनके द्वारा बताया गया कि बच्चे घटनाक्रम के दिन स्कुल ही नहीं आएं। खोजबीन करने के लिए टीम गठित की गई, जिसमें किरनापुर टीआई शिवपूजन मिश्रा एवं टीम के द्वारा सिवनी जिले में बेहरई गांव पड़ता है वहां पर हमारी टीम पहुंची और उन्होंने छिंदवाड़ा से आने वाली लगभग सभी बसों में बच्चों को चेक किया गया जिसमें हमें पवन ट्रेवल्स की बस में तीनों बच्चे मिल गए। बच्चे क्यों गए थे इस बात की जानकारी के लिए बालाघाट से महिला अधिकारी बच्चों से पुछताछ करेगी तभी स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

दुर्गेश आर्मो एसडीओपी लांजी

सफलता की कहानी

नीट परीक्षा में पास होने पर सृष्टि को किया सम्मानित

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- नगर पालिका परिषद शिवपुरी में खेल एवं युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया के मुख्य आतिथ्य में आज विकास यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा के दौरान विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र प्रदाय कर सम्मानित किया गया। इन्हीं में एक है शिवपुरी की बेटी सृष्टि श्रीवास्तव। सृष्टि के द्वारा नीट परीक्षा उत्तीर्ण किए जाने पर उन्हें खेल मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया।शिवपुरी निवासी सृष्टि श्रीवास्तव बताती है कि वे श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय शिवपुरी की छात्रा है। उन्होंने इंदौर से तैयारी उपरांत नीट परीक्षा उत्तीर्ण की है। उन्होंने कहा कि विकास यात्रा शासन द्वारा पात्र हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने का एक अच्छा जरिया है। खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया द्वारा सम्मानित किए जाने पर उन्होंने मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया।

कृषि विज्ञान केंद्र शिवपुरी में मनाया गया रेडियो किसान दिवस

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- कृषि विज्ञान केंद्र शिवपुरी के परिसर में आज बुधवार को रेडियो किसान दिवस मनाया गया। रेडियो किसान दिवस आकाशवाणी केंद्र शिवपुरी द्वारा आयोजित किया गया। कृषि विज्ञान विज्ञान केंद्र के प्रांगण में आयोजित रेडियो किसान दिवस कार्यक्रम में प्रगतिशील कृषकों, कृषक महिलाओं एवं कृषि वैज्ञानिकों की सहभागिता की।रेडियो किसान दिवस की महत्ता भूमिका एवं सार्थकता के बारे में बताते हुए आकाशवाणी केंद्र शिवपुरी के कार्यक्रम अधिकारी एसएस चौधरी ने रेडियो को संचार का सशक्त माध्यम और किसान परामर्श के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रगतिशील किसान हुकुम सिंह द्वारा की गई। उन्होंने रेडियो द्वारा प्रसारित परामर्श और रेडियो दिवस की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। रेडियो किसान दिवस के अवसर पर पर चर्चा करते हुए किसान बंधुओं ने रेडियो की महत्ता और उपयोगिता के बारे में अपने विचार रखें। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.एम.के.भार्गव, डॉ.पुष्पेंद्र सिंह एवं वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी योगेश चंद्र रिखाडी, डॉ नीरज कुशवाह ने भी अपने विचार रखते हुए बताया कि किसानों को कृषि तकनीकी में रेडियो एक सशक्त माध्यम है जो तकनीकि प्रसार के लिए दूरदराज क्षेत्र में भी लाभकारी सिद्ध हो रहा है।विभिन्न ग्रामों से आए हुए किसानों एवं किसान महिलाओं जिसमें विकासखंड करेरा के ग्राम खैराघाट से उषा परिहार, ग्राम कलोथरा से ममता जाटव, वि.ख. शिवपुरी के ग्राम झुंड से त्रिलोचन सिंह, ग्राम ठर्रा से अनिकेत धाकड, ग्राम रायश्री से भगवान सिंह रावत, ग्राम रातौर से पदम सिंह एवं लवकुश धाकड उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ.समर्थ अग्रवाल उद्घोषक आकाशवाणी केंद्र शिवपुरी द्वारा किया गया।

मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया शिवपुरी में विकास यात्रा में हुईं शामिल, हितग्राहियों को किया लाभ वितरण

शिवपुरी शहर के वार्ड 1 से शुरू हुई विकास यात्रा

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-खेल एवं युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री और शिवपुरी विधायक यशोधरा राजे सिंधिया अभी दो दिवसीय शिवपुरी भ्रमण पर है। इस दौरान शिवपुरी विधानसभा क्षेत्र में विकास यात्रा शुरू हुई। विकास यात्रा के दौरान उन्होंने क्षेत्र की जनता से संवाद किया और हितग्राहियों को लाभ वितरण किया। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि विकास यात्रा का उद्देश्य क्षेत्र की जनता की समस्याओं का निराकरण करना और शासन के कार्यो को जनता तक पहुंचाना है। इसके अलावा क्षेत्र को विकास कार्यों से जोडना है।शिवपुरी में विकास यात्रा थीम रोड ठकुरपुरा से प्रारंभ होकर वहां से आदिवासी बस्ती होते हुए वार्ड 2 और 3 में पहुंचे।

कलश यात्रा की हरी झंडी दिखाकर रवाना किया-मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने वार्ड क्रमांक एक में कलश यात्रा को हरी झंडी दिखाकर विकास यात्रा की शुरुआत की। विकास यात्रा में बड़ी संख्या में वार्ड के नागरिक शामिल हुए।

लोकार्पण और भूमिपूजन-मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने नगरपालिका परिषद अंतर्गत 81.58 लाख रूपए की राशि के वार्ड क्रमांक 1 की तुलसी कॉलोनी में नाली एवं सीसी रोड निर्माण कार्य, ग्वालियर बाइपास कॉलोनी में सीसी एवं नाली निर्माण कार्य, थीम रोड से ठकुरपुरा पंचायत भवन तक सीसी रोड व नाली एवं पेबर ब्लॉक निर्माण कार्य तथा रोड रेस्टोवेशन कार्य भूमिपूजन किया गया। इसके उपरांत 71.11 लाख रूपए की राशि के ठंडी सडक सीसी रोड निर्माण कार्य, शंकर कॉलोनी, स्थित पार्क के चारों तरफ पेवर्स ब्लॉक कार्य का भूमिपूजन किया गया। 66.05 लाख रूपए की राशि के पुराने टोल टैक्स से व्हीटीपी स्कूल तक सीसी रोड व नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया।

हितग्राहियों को किया लाभ वितरण और उत्कृष्ट प्रतिभाओं को किया सम्मानित-मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभ वितरित किया। हितग्राहियों ने भी प्रमाण पत्र मिलने पर अपनी खुशी जाहिर की और मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया को धन्यवाद दिया। हितग्राहियों को लाभ वितरण के अलावा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया जिसमें छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया और शिवपुरी शहर को स्वच्छ बनाने वाले सफाई कर्मियों को सम्मानित किया।

प्रभारी मंत्री आज नरवर, करैरा एवं पिछोर तहसील में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे

राकेश परिहार रिपोर्टर पिछोर

शिवपुरी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री एवं शिवपुरी जिले के प्रभारी श्री महेंद्र सिंह सिसोदिया 16 फरवरी को शिवपुरी जिले की नरवर, करैरा एवं पिछोर तहसील में विभिन्न कार्यक्रम में भाग लेंगे।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री श्री सिसोदिया 16 फरवरी को दोपहर 1 बजे तहसील नरवर में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक लेंगे। इस बैठक के बाद कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में भाग लेगें। दोपहर 2 बजे केन्द्रीय मंत्री के आगमन के संबंध में चर्चा एवं स्थल निरीक्षण निरीक्षण करेंगे। इसके उपरांत करैरा के लिए प्रस्थान करेंगे। अपराह्न 3 बजे करैरा के ग्राम बडोरा में रामगोपाल के निवास पर भेंट करने के बाद पिछोर के लिए प्रस्थान करेंगे। शाम 4 बजे पिछोर एवं खनियांधाना के कार्यकर्ताओं एवं अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक लेंगे। शाम 5 बजे पिछोर से गुना जिले के लिए प्रस्थान करेंगे।

मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने मेडिकल कॉलेज में निशुल्क भोजन वितरण का शुभारंभ और ब्लड बैंक का किया लोकार्पण

राकेश परिहार रिपोर्टर
पिछोर

मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया अभी दो दिवसीय शिवपुरी भ्रमण पर हैं। बुधवार को अपने भ्रमण कार्यक्रम के दौरान मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने कई स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने आज मेडिकल कॉलेज में निशुल्क भोजन वितरण व्यवस्था का शुभारंभ किया। इससे मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में आने वाले मरीजों को अब भोजन की सुविधा रहेगी। और मरीडों के परिजनों को भी परेसान नही होना पडेगा।इसके अलावा श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया चिकित्सा महाविद्यालय में ब्लड बैंक का लोकार्पण किया। इससे मरीजों को ब्लड कैंसर, थैलेसीमिया व डेंगू सहित अन्य बीमारियों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। मरीजों को ब्लड बैंक की सुविधा प्राप्त होगी। मरीजों को उत्तम और हाई टेक्नोलॉजी ब्लड बैंक की सुविधा प्राप्त होगी। इस दौरान उन्होंने पूरी व्यवस्था का निरीक्षण किया।

मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने ग्राम बूढीबरोद गढीबरोद और मोहनगढ में विकास यात्रा में लिया भाग

विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया शिवपुरी भ्रमण पर आई हैं। उन्होंने शिवपुरी विधानसभा क्षेत्र में विकास यात्रा की शुरुआत की। शिवपुरी शहर में विकास यात्रा में शामिल होने के बाद ग्रामीण क्षेत्र में विकास यात्रा में भाग लिया। उन्होंने ग्राम पंचायत बूढीबरोद, गढीबरोद और मोहनगढ में विकास यात्रा में भाग लिया और ग्रामीणों से चर्चा की। उन्होंने लोकार्पण और भूमिपूजन कर ग्रामीणों को विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ वितरण किया और पौधे भेंट किये। इसके अलावा लोगों की समस्याओं को लेकर भी अधिकारियों को निर्देश दिए। ग्राम पंचायत बूढीबरोद में स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया कलश यात्रा में शामिल हुई। इसके बाद उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि शासन द्वारा कई योजनाओं के माध्यम से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। जहां कहीं सड़क पानी आदि की समस्या है उसका पर भी लगातार ध्यान दिया जा रहा है। अभी जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक पानी पहुंचाने का जो लक्ष्य है उस पर काम चल रहा है। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास के माध्यम से लोगों का अपने घर का सपना पूरा हो रहा है।

लोकार्पण व भूमिपूजन- ग्राम पंचायत बूढीबरोद के ग्राम बलारपुर में 3 लाख 79 हजार रूपए की राशि के चौपाल निर्माण का लोकार्पण, 1 लाख रूपए की राशि के पानी की टंकी निर्माण का लोकार्पण, 1 लाख 81 हजार रूपए की राशि के ग्राम गढीबरोद में चौपाल निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। ग्राम मोहनगड में 3 लाख 48 हजार रूपए की राशि के सामुदायिक स्वच्छता परिसर का लोकार्पण, तथा 40 लाख 22 हजार की राशि के अमृत सरोवर तालाब निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस दौरान ग्राम पंचायत बूढीबरोद में 237 लाख रूपए की राशि के कोटा-झांसी फोरलेन से नया बलारपुर 2.30 किलोमीटर मार्ग निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। ग्राम पंचायत गढीबरोद में 60 लाख रूपए की लागत के नवीन नल-जल योजना का शिलान्यास किया। ग्राम पंचायत बूढीबरोद में 17.20 लाख रूपए की राशि के ओवर हेड टेंक निर्माण कार्य का भूमिपूजन तथा ग्राम पंचायत मोहनगढ में 20.64 लाख रूपए की राशि के ओवर हेड टेंक निर्माण कार्य भूमिपूजन किया।

स्व सहायता समूह की महिलाओं से की चर्चा-मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने ग्रामीण क्षेत्र में विकास यात्रा के दौरान स्व सहायता समूह की महिलाओं के साथ चर्चा की। महिलाओं द्वारा किस प्रकार समूह से जुड़ने के बाद आर्थिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं और महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं। इस बारे में विस्तृत चर्चा की और इसी प्रकार महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जहां कहीं समूह की महिलाओं को किसी प्रकार की मदद की जरूरत है उन्हें पूरा सहयोग दिया जाएगा। महिलाएं इसी प्रकार आत्मनिर्भर बने।

ग्रामीणों के साथ किया सहभोज-मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने विकास यात्रा के दौरान ग्राम गढ़ीबरोद में ग्रामीणों के साथ सहभोज किया और ग्रामीणों से चर्चा भी की।

करियर क्रिएटर कोचिंग का सम्मान समारोह संपन्न,चयनित छात्रों को किया गया पुरस्कृत

आर एस रजक
पुष्पांजलि टुडे

भिण्ड- छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए करियर क्रिएटर कोचिंग लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में बुधवार को सांई भवन में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मप्र पुलिस, एसएससी, संविदा शिक्षक, रेल्वे ग्रुप डी एवं भारतीय सेना में चयनित हुए छात्रों को मेडल और सर्टीफिकेट देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामौतार लखेरे ने सभी सफल हुए छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि मेहनत ही सफलता की कुंजी है बच्चे ईमानदारी पूर्वक मेहनत के साथ पढ़ाई करते हुए आगे बढ़ते रहें जीवन में सफलता अवश्य मिलेगी बच्चों को अपने उज्जवल भविष्य के लिए परिश्रम और पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। जीवन में अच्छा काम करते हुए अपने लक्ष्य की प्राप्ति करो।इस दौरान करियर क्रिएटर कोचिंग के डायरेक्टर सुनील लखेरे, सुशील लखेरे,रवि कनैरिया,सेंगर सर, अतुल सर सहित कई लोग मौजूद रहे

विकास यात्रा के दौरान रिठौराकलां पंचायत में सिलाई सेन्टर का हुआ लोकार्पण

मुरैना /मुरैना विकासखण्ड की ग्राम पंचायत रिठौराकलां में आजीविका स्व-सहायता समूह से जुडी 12 महिलायें अपने आपको गौरवान्वित मेहससू कर रहीं है, क्योंकि विकास यात्रा के दौरान 14 फरवरी मंगलवार को आये मुख्य अतिथियों ने आजीविका सिलाई सेन्टर रिठौराकलां का फीता काटकर लोकार्पण जो किया। आजीविका स्व-सहायता समूह की इंदिरा, मंजू, ममता, मुन्नी ने बताया कि समूह में जुडने से पहले हमारे परिवार की स्थिति अच्छी नहीं थी, पति जो भी मजदूरी करके लाते थे, उससे ही घर-गृहस्थी का खर्च चलता था। हम भी बहुत कोशिश करते थे कि कोई न कोई रोजगार खोला जाये, ताकि अतिरिक्त आय का जरिया बन सके। इंदिरा, मंजू, ममता, मुन्नी ने बडे हर्ष के साथ बताया कि वर्ष 2021 में एनआरएलएम के माध्यम से आजीविका स्व-सहायता समूह का गठन किया, समूह में 12 महिलायें जुडी। उसके बाद समूह ने 20-20 रूपये इकट्ठे करके राशि बैंक में जमा की। कुछ समय बाद 1 लाख रूपये का सीसीएल समूह को प्राप्त हुआ। जब राशि इकट्ठी हुई, तब समूह ने सिलाई सेन्टर खोलने का निर्णय लिया, जिसमें 20 सिलाई मशीने समूह द्वारा खरीदी जा चुकी है। इस सिलाई सेन्टर का विकास यात्रा में लोकार्पण किया गया है। इसके अलावा 6 माह पूर्व हमारे समूह को एक हजार स्कूल ड्रेस बनाने का ऑर्डर भी मिला था। हम सभी महिलायें अपने आपको गौरवान्वित मेहससू कर रहीं है।

विद्युत चोरों में हडकम्प धारा 144 के उल्लंघन में आईपीसी की धारा 188 में 02 प्रकरण दर्ज

मुरैना महाप्रबंधक मुरैना पीके. शर्मा द्वारा अवगत कराया गया है कि 13 फरवरी 2023 को मुरैना-प्रथम संभाग के अन्तर्गत गणेशपुरा जोन के निरीक्षण दल द्वारा अजय जोनवार पुत्र राकेश जोनवार, निवासी गडोरापुरा मुरैना सिविल लाईन थाना मुरैना में अवैध विद्युत का उपयोग करते हुये पाये जाने पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अन्तर्गत प्रभारी अधिकारी इन्द्रेश्वर सिंहसहायक यंत्री द्वारा प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। जिसमें राजस्व हानि 16 हजार 549 रूपये का विद्युत देयक जारी किया गया है। कलेक्टर अंकित अस्थाना के आदेशानुसार 09 फरवरी के अन्तर्गत दण्ड प्रक्रिया 1973 की धारा 144 का उल्लंघन अमानक स्तर के विद्युत तार उपयोग जो प्रतिबंधित था, उपयोग किया गया, जिससे जनहानि होने की संभावना है। जिस कारण सिविल लाईन थाना मुरैना में आईपीसी की धारा 188 में एफआईआर कमांक 190 दिनांक 13 फरवरी 2023 में पंजीबद्ध किया गया। इसी प्रकार दिनांक 13 फरवरी 2023 को ही मुरैना-प्रथम संभाग के अन्तर्गत गणेशपुरा जोन के निरीक्षण दल द्वारा विनोद शर्मा पुत्र रामसेवकनिवासी गडोरापुरा मुरैना, सिविल लाईन थाना मुरैना में अवैध विद्युत का उपयोग करते हुये पाये जाने पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अन्तर्गत प्रभारी अधिकारी हेमन्त बाजौरिया कनिष्ठ यंत्री द्वारा प्रकरण पंजीबद्ध किया गया हैजिसमें राजस्व हानि 20 हजार 622 रूपये का विद्युत देयक जारी किया गया है। साथ ही जिलाधीश महोदय जिला मुरैना के आदेश 09 फरवरी 2023 के अन्तर्गत दण्ड प्रक्रिया 1973 की धारा 144 का उल्लंघन अमानक स्तर के विद्युत तार उपयोग जो प्रतिबंधित था उपयोग किया गया, जिससे जनहानि हो सकने की संभावना है। जिसका प्रकरण सिविल लाईन थाना मुरैना में आईपीसी की धारा 188 में एफआईआर कमांक 189 दिनांक 13 फरवरी 2023 में पंजीबद्ध किया गया। विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अन्तर्गत 03 साल की कारावास सजा एवं राजस्व हानि दण्ड दोनों का प्रावधान है।

ककरहटी सीएम राइज विद्यालय के बच्चों ने सांसद बिष्णु दत्त शर्मा का किया आभार व्यक्त

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा की पुष्पांजली टुडे की खबर

ककरहटी। मध्य प्रदेश शासन इन दिनों पूरे प्रदेश में विकास यात्रा निकाल रही पन्ना में भी जिला प्रशासन बिकास यात्रा लेकर गांव - गांव और शहर - शहर पहुंच रही हैं! दिनांक 16/02/2023 से गुनौर विधानसभा के ककरहटी मंड़ल में भी जिला प्रशासन विकास यात्रा निकालने जा रही है!इसी विकास यात्रा की तैयारी को लेकर दिनांक 15/02/2023 को भारतीय जनता पार्टी के मंड़ल अध्यक्ष दीपक शर्मा ककरहटी सीएम राइज स्कूल पहुंच गये और बच्चों से स्कूल की बिवस्था सहित शिक्षकों द्वारा कराई जा रही पढ़ाई लेकर बच्चों से पूछा तो बच्चे काफी खुश दिखाई दिए उन्होंने सामूहिक रूप से मंड़ल अध्यक्ष दीपक शर्मा को बताया पहले की अपेक्षा जब से सीएम राइज विद्यालय बना है। बहुत अच्छी सुविधाएं हैं। और पढ़ाई भी हो रही हैं। बच्चों ने सामूहिक रूप से क्षेत्र के सांसद बिष्णु दत्त शर्मा जी धन्यवाद करते हुए आभार व्यक्त किया है। चूंकि सीएम राइज विद्यालय शासन स्तर से विकास खंड मुख्यालय में बनाए जाने की योजना थी लेकिन ककरहटी वासियों की मांग पर क्षेत्रिय सांसद बिष्णु दत्त शर्मा के प्रयास के वाद मुख्यमंत्री माननीय शिवराज सिंह चौहान द्वारा ककरहटी जैसे छोटे से स्थान पर सीएम राइज विद्यालय बनाया है।यह हम सभी ककरहटी सहित क्षेत्र वासियों के लिए गौरव की बात है।

इनका कहना हैं।

हां इस समय हमारी सरकार द्वारा विकास यात्रा निकाली जा रही है।16/2 को ककरहटी मंड़ल पहुंच रही है। यात्रा के दोरान प्राप्त समस्याओं का संभव होगा तो मोके पर ही निराकरण किया जाना इसी को लेकर सीएम राइज विद्यालय गया था जहां बच्चे काफी खुश दिखे और उन्होंने सामूहिक रूप से सीएम राइज विद्यालय ककरहटी में खोले जाने पर सांसद बिष्णु दत्त शर्मा का धन्यवाद ज्ञापित किया है।

दीपक शर्मा
मंडल अध्यक्ष
भाजपा ककरहटी पन्ना

पन्ना जिले के देवेंद्रनगर के सुरेश कुमार कुशवाहा की गाय ने दूध देने में जिले में दूसरा स्थान प्राप्त किया

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा की पुष्पांजली टुडे की खबर

पन्ना जिले में मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना अंतर्गत मध्यप्रदेश के पन्ना जिले की मूल गौवंशीय नस्ल केनकठा एवं भारतीय उन्नत नस्ल गौवंशीय की दुग्ध पुरस्कार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें पन्ना जिले में 12 फरवरी 2023 से 13 फरवरी 2023 तक पशुपालक अपनी गायों को लेकर प्रतियोगिता में भाग लिए और भाग लेकर सुरेश कुमार कुशवाहा की गाय ने पन्ना जिले में दूध देने वाली गाय का दूसरा स्थान प्राप्त हुआ जिसमें सुरेश कुमार कुशवाहा जी को पन्ना जिले के माध्यम से ?21000 की पुरस्कार राशि सहित प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है सुरेश कुमार कुशवाहा जी का कहना है कि मेरी गाय पन्ना जिले में दूध देने वाली गायों में से दूसरा स्थान प्राप्त किया है और यह तब संभव हो पाया है जब मेरे देवेंद्रनगर पशु चिकित्सालय में कार्यरत पशु चिकित्सक आदरणीय अंकित निगम जी द्वारा पूरी देखरेख एवं

समय-समय पर मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है जिससे मेरी गाय दूध देने वाली गाय में दूसरा स्थान प्राप्त किया है मैं सभी पशु पालकों से अनुरोध करता हूं कि आप सभी गायों को प्रतियोगिता में हर वर्ष प्रतिभागी बनाएं जिससे हमारा जिला दुग्ध उत्पादन में अग्रणी बने 7

कलेक्टर कि अध्यक्षता में महाशिवरात्रि पर्व सम्बंधी बैठक सम्पन्न

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। कलेक्टर एस कृष्ण चैतन्य ने बांदकपुर मंदिर परिसर में आयोजित बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा महाशिवरात्रि पर्व पर बांदकपुर में पिछले साल लगभग एक लाख श्रद्धालु पहुंचे थे, इस साल भी एक से डेढ़ लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है जिनके लिये व्यवस्थाएं बनाई जा रही है। उन्होंने बताया मंदिर कमेटी के साथ-साथ बाकी प्रशासनिक अमले के साथ भी क्या-क्या व्यवस्था की गई है और किस तरह पिछली बार से भी बेहतर व्यवस्था यहां पर कि जा सकती हैं, उसके बारे में विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने कहा लाइन की व्यवस्था, महिलाओं की व्यवस्था और कांव?ियों की व्यवस्था, सफाई व्यवस्था, मंदिर में मेडिकल व्यवस्था, फायर टेंडर की व्यवस्था इन सभी के बारे में विस्तार से चर्चा की गई है। उन्होंने कहा यही प्रयास किये जायेंगे कि 17 से लेकर 19 फरवरी की सुबह तक पूरी व्यवस्थाएं यहां पर बनी रहे और जितने भी श्रद्धालु यहां पर आएं समय से दर्शन करके वापिस जाये इसके प्रयास लगातार प्रशासन द्वारा किये जायेंगे। पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार सिंह ने कहाँ पिछले वर्ष की अपेक्षा बेहतर व्यवस्था की गई है, जिससे यहां पर आने वाले व्यक्ति सुरक्षित तरीके से दर्शन करके अपने घर जाएं, इसके लिए पर्याप्त पुलिस बल लगाया जा रहा है। उन्होंने कहाँ पार्किंग से मंदिर परिसर तक लोगों के आने और अच्छे से दर्शन करने के लिए हर पॉइंट पर पुलिस बल लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कांव?ियों के लिए अलग से गेट है, उन्हें इकट्ठा करके दर्शन कराया जाता है। कांवड़ियों की व्यवस्था सुचारू रूप से हो और दिव्यांगों के लिए अलग से व्यवस्था होगी, जरूरत पड़ने पर पुलिस द्वारा दिव्यांगों को ले जाकर दर्शन कराए जाएंगे।

पंजीयन नवीनीकरण के लिए करें आनलाइन आवेदन

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा की पुष्पांजली टुडे की खबर

पन्ना- पन्ना जिले मे पंजीकृत क्लीनिक, पैथालॉजी और नर्सिंग होम की पंजीयन की वैधता मार्च 2023 में समाप्त होने के पूर्व वर्तमान फरवरी माह में ही नवीनीकरण करवाने के संबंध में सूचित किया गया है। एमपी ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। फरवरी माह के बाद सभी पंजीयन नवीन पंजीयन की श्रेणी में मान्य किए जाएंगेमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस. उपाध्याय ने बताया कि अवैध रूप से संचालित संस्थाओं को भी अनिवार्य रूप से पंजीयन कराना जरूरी है अन्यथा टीम के औचक निरीक्षण या किसी अप्रिय घटना पर एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। आनलाइन आवेदन की प्रति मय दस्तावेज के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय की आवक शाखा में जमा करना भी अनिवार्य है, जिससे अविलंब पंजीयन की कार्यवाही की जा सके।

प्रभारी मंत्री का आगमन 17 फरवरी को

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा की पुष्पांजली टुडे की खबर

पन्ना - आयुष (स्वतंत्र प्रभार) एवं जल संसाधन राज्य मंत्री तथा पन्ना जिले के प्रभारी मंत्री श्री रामकिशोर नानो कांवरे 17 फरवरी को सुबह 8 बजे उमरिया से प्रस्थान कर 11 बजे पन्ना सर्किट हाउस आएंगे। प्रभारी मंत्री श्री कांवरे अजयग? में दोपहर 12 बजे विकास यात्रा व हितग्राही महासम्मेलन तथा 3 बजे गुनौर विधानसभा की विकास यात्रा में शामिल होंगे। शाम 7 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला अधिकारियों के साथ विकास यात्रा की समीक्षा बैठक करेंगे, तदुपरांत 18 फरवरी को सुबह 6.30 बजे पन्ना से सतना रवाना होंगे।

कथा हमें निज धर्म पर चलना सिखाती हैं:किशोरी वैष्णवी गर्ग

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। विवेकानंद नगर सिविल 6 में एक दिवसीय मैंनेजर कन्छेदीलाल राठौर की 25 वी स्मृति दिवस में श्रीराम कथा व्यास किशोरी वैष्णवी गर्ग द्वारा राम कथा परिवार जन ने सुनी।राम कथा संदेह अज्ञान और भ्रम को हरने वाली कथा हैं यह संसार रूपी नदी को पार करने के लिए नाव हैं राम कथा पंडितो को विश्राम देने वाली , सब मनुष्यों को प्रसन्न करने वाली और कलियुग के पापों का नाश करने वाली हैं राम कथा कलियुग रूपी सांप को मारने वाली मोरनी हैं अर्थात इस कथा से ज्ञान की प्राप्ति होती हैं राम कथा कलियुग में सब मनोरथो को पूर्ण करने वाली कामधेनु गाय हैं और सज्जनों के लिए संजीवनी बूटी हैं इस संसार में यह अमृत

रूपी नदी हैं राम कथा जन्म मरण के भय का नाश करती हैं राम कथा साधू रूपी देवताओं के कुल का हित करने वाली माँ दुर्गा के समान हैं यह समाज रूपी क्षीरसागर के लिए लक्ष्मी के समान हैं और सम्पूर्ण विश्व का भार उठाने के लिए अचल पृथ्वी के समान हैं यह संसार में यमुनाजी के समान हैं जीवों को मुक्ति देने के लिए काशी के समान हैं राम कथा श्री रामचन्द्रजी को तुलसी के समान प्रिय हैं राम कथा शिवजी को नर्मदा जी के समान प्रिय हैं यह सब सिद्धियों तथा सुख सम्पति देने वाली हैं सदुण रूपी देवताओ के उत्पन और पालन पौषण करने वाली माता अदिति के समान हैं रामकथा निर्मल कथा हैं कथा व्यास किशोरी वैष्णवी गर्ग ने बताया रामकथा की महिमा अनंत है। राम कथा सुनने स मन निर्मल होता हैं राम कथा संस्कार, मर्यादा और जीवन जीने की कला सिखाती है राम कथा पापो , कष्टों , दुखो , संताप और शोक का नाश करने वाली हैं रामकथा सुनने से प्रभु श्री राम की कृपा मिलती हैं राम कथा जीवन के दोषों का नाश करती हैं राम कथा संस्कारित जीवन जीने में सहयोग प्रदान करती हैं राम कथा सुनने से परिवार में आपसी प्रेम सामंजस्य को ब?ावा मिलता हैं जहा राम कथा का पाठ होता हैं वहाँ सभी देवता सपरिवार विराजमान होते हैं प्रभु श्री राम की कथा आनन्ददायी ,फलदायी ,जीवनदायी हैं किशोरी जी ने श्री रामजी के जन्म बाललीला,विवाह का विस्तार से वर्णन किया।

विरागोदय महामहोत्सव के अंतिम दिवस राजनैतिक संगोष्ठी के साथ आचार्य श्री 108 विनम्र सागर जी का मंगल विहार

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह /पथरिया। 15 दिवसीय विरागोदय महामहोत्सव के अंतिम दिवस प्रातः काल मे मंदिर में विराजमान गगन उतंग जिनालय में विराजित 31 फुट श्री 1008 धर्म नाथ भगवान एवं 27-27फिट की भगवान आदिनाथ एवं महावीर की मूर्तियां का महामस्तकाभिषेक सैंक?ों भक्तों द्वारा आनंद के साथ संम्पन्न हुआ। साथ ही विरागोदय तीर्थ में दोपहर के सत्र में राजनैतिक संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन भी हुआ जिसमें शैलेन्द्र जैन विधायक सागर, प्रमोद बारदाना, कपिल दुबे के संयोजकत्व मव हुई जिसमें उन्होंने सभी दलों के कई ब? नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद तो वही पथरिया विधानसभा की विधायक रामबाई सिंह परिहार ने भी गुरुदेव के प्रति अपने भाव व्यक्त किये साथ ही कहाँ पथरिया का नाम विरागोदय के नाम से करने के लिए विधानसभा में प्रयास करेंगी। गणाचार्य द्वारा रचित महाकाव्य जिसमे 5 खण्डों में 55 अध्याय,1350 कविताएं एवं 1000 पेज है। गुरुदेव ने अपने प्रवचनों में कहा संत धर्मनीति,और मानवता की शिक्षा के साथ राजनीति की भी शिक्षा देती है।आचार्य विमर्श सागर जी का मंगल विहार विरागोदय से दमोह की ओर हुआ जहां आचार्य विमर्श सागर जी ससंघ अपनी गुरु की चरण वंदना एवं प्रक्षलन कर विहार का निवेदन किया। गौरतलब हो कि ब?ी प्रतिमाओं का महामस्तकाभिषेक आगामी आदेश तक जारी रहेगा। गुरुदेव ने सभी महोत्सव के सहयोगियों की प्रशंसा व्यक्तकर मंगल आशीर्वाद प्रदान किया।

सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास ही विकास यात्रा का मूल भाव है: मंत्री श्री सिंह

नगर पालिका पन्ना के वार्डों में निकाली गई विकास यात्रा में शामिल हुए खनिज साधन मंत्री

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा की पुष्पांजली टुडे की खबर

पन्ना- खनिज साधन एवं श्रम मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा है कि सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की भावना के साथ निकाली जा रही विकास यात्रा में आमजन भी सहभागी बनें। सर्वसमाज के सहयोग से निश्चित ही तीव्र विकास को गति मिल सकेगी। जनप्रतिनिधि भी घर-घर संपर्क कर पात्र व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए पहल करें। पात्रता की श्रेणी वाले प्रत्येक गरीब व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करना ही अंत्योदय की मूल मंशा भी है। मंत्री श्री सिंह बुधवार को पन्ना विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिका परिषद पन्ना के वार्ड क्रमांक 02, 04, 27 एवं 28 में निकाली गई विकास यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने शहर के कृषि उपज मण्डी प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में वार्डवासियों को संबोधित किया और पात्रतानुसार योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया। नगर पालिका की टीम द्वारा वार्ड भ्रमण के कार्य की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि शहर की पेयजल व्यवस्था दुरूस्त करने के लिए किलकिला फीडर के जीर्णोद्धार का कार्य जारी है। यहां के विस्थापित परिवारों को प्लाट के साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान की सौगात भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि पन्ना नगर में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। निरपत सागर तालाब, कटरा और खोरा डैम के माध्यम से भी शहर की पेयजल समस्या के निराकरण का प्रयास है। अमृत 2.0 योजना में रूंझ बांध से पन्ना नगर तक पानी लाने की योजना को मूर्तरूप दिया जा रहा है।खनिज मंत्री ने कहा कि नगर के विकास और सार्वजनिक हित के सभी कार्य तत्परतापूर्वक पूर्ण किए जाएंगे। सीसी रोड और नाली जैसे कार्य भी कराए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि गत माह में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के छूटे हुए हितग्राहियों के लिए लगभग 1900 मकान स्वीकृत करवाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पन्ना मंदिरों और हीरों की नगरी है। अब पन्ना की पहचान शिक्षा के क्षेत्र में भी स्थापित होगी। इसी सत्र से कृषि महाविद्यालय के संचालन की कार्यवाही पूर्ण हो गई है। आगामी दिनों में मेडिकल कॉलेज, सैनिक स्कूल खोलने का भी प्रयास है। डायमण्ड पार्क की स्थापना भी शीघ्र होगी। मंत्री ने कहा कि नगर विकास के लिए कृत संकल्पित है। सदैव जनता के सुख-दुख में भी सहभागी रहेंगे।नपाध्यक्ष श्रीमती मीना पाण्डेय ने कहा कि यात्रा के माध्यम से विकास के नये आयाम स्थापित होंगे। पन्ना निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। यह यात्रा आमजनों तक शासकीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिए बेहतर माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड के नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण का प्रयास सुनिश्चित किया गया है। सभी वार्डों में क्रियान्वित विकास कार्यों की जानकारी से भी अवगत कराया।कलेक्टर श्री संजय कुमार मिश्र ने कहा कि मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान की भांति विकास यात्रा में लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करना सुनिश्चित किया गया है। प्रत्येक पात्र नागरिक योजनाओं के लाभ के लिए आगे आएं। विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही की जाएगी और समय सीमा में लाभ दिलाया जाएगा। अपात्रता अथवा किसी दस्तावेज के अभाव में आवेदक को मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सुशासन की कड़ी में विकास यात्रा निकाली जा रही है। किन्हीं कारणोंवश विकास यात्रा में आवेदन नहीं कर सके नागरिक नगर पालिका कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रशासन समयावधि में लाभ सुनिश्चित करने के लिए कृत संकल्पित है। अंत्योदय का उद्देश्य भी समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करना है।

यात्रा का जगह-जगह हुआ स्वागत, सफाईकर्मियों का किया सम्मान-विकास यात्रा के दौरान खनिज मंत्री अजयगड़ चैराहा से जनकपुर तक पैदल भ्रमण कर वार्डों में पहुंचे। इस दौरान जगह-जगह फूलवर्षा कर यात्रा का स्वागत-अभिनंदन किया गया। मंत्री ने सफाईकर्मियों के माला पहना कर आत्मीय स्वागत किया। स्थानीय नागरिकों ने भी बड़ी संख्या में यात्रा में सहभागिता की। नपाध्यक्ष सहित सभी पार्षदगण और जिला कलेक्टर द्वारा भी वार्डों में पैदल भ्रमण किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया गया। इस मौके पर हितग्राहियों द्वारा योजनाओं का लाभ मिलने पर जीवन में आए बदलावों के बारे में अवगत कराया गया। कन्या पूजन कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। मलखम्भ प्रतियोगिता में जिले का नाम रोशन करने वाली बेटी प्राची रैकवार का सम्मान भी किया गया।

शहरी विकास की सभी योजनाओं का लाभ नागरिकों को मिलेगा-खनिज मंत्री श्री सिंह विकास यात्रा के दौरान जनकपुर पहुंचे। यहां आयोजित सभा के दौरान कहा कि जनकपुर नगरीय क्षेत्र में शामिल होने के कारण अब यहां के सभी नागरिकों को शहरी विकास योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। उन्होंने अवगत कराया कि आगामी मार्च माह में सारंगधाम मंदिर, झिन्ना आश्रम सहित अन्य स्थानों पर गरीब बेटियों के सामूहिक विवाह के कार्यक्रम करवाए जाएंगे। आगामी दिनों में लागू होने वाली लाडली बहना योजना के बारे में भी अवगत कराया गया। जिला कलेक्टर द्वारा जनता को विकास यात्रा के दौरान प्राप्त आवेदन और विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि ग्रामजन सुविधा केन्द्रों में पुस्तकालय खोले जाएंगे। साथ ही प्रत्येक ग्राम पंचायत में एलईडी टी.वी. स्थापित कर ग्रामीणजनों को शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि विकास यात्रा के दौरान यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी पात्र हितग्राही को अपने हक व अधिकार के लिए भटकना न पड़े।

बीमा पॉलिसी का किया वितरण-खनिज साधन मंत्री ने ग्राम पंचायत लक्ष्मीपुर में आयोजित विकास यात्रा के कार्यक्रम में कहा कि लक्ष्मीपुर में कृषि महाविद्यालय के संचालन से कृषि क्षेत्र में भविष्य निर्माण के इच्छुक प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को अध्ययन का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि जरूरी

प्रयास कर मात्र सैद्धांतिक स्वीकृति के आधार पर ही कैबिनेट से स्वीकृति की प्रत्याशा में महाविद्यालय संचालन के लिए आवश्यक कार्यवाही की गई। इसके लिए जिला कलेक्टर के निर्देशन में कृषि महाविद्यालय शुरू करने के लिए जुटी टीम बधाई की पात्र है। उन्होंने इस अवसर पर मेरी पॉलिसी मेरे हाथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया और किसानों को पॉलिसी का वितरण किया। प्रतीक स्वरूप मत्स्य विभाग, बी.पी.एल. कार्ड, पेंशन योजना के हितलाभ का वितरण भी किया गया। इस दौरान लक्ष्मीपुर पैलेस के सौन्दर्यीकरण की बात भी कही।

बड़खेरा बनेगा राजस्व ग्राम-मंत्री ने लक्ष्मीपुर के निकट बड़खेरा को राजस्व ग्राम बनाने की घोषणा की। इसके लिए पंचायत से प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। 5 लाख रूपए लागत की सी.सी. रोड की सौगात भी प्रदान की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास में सड़कों का महत्वपूर्ण योगदान है। पन्ना-पहाड़ीखेरा मार्ग का काम शुरू हो गया है। पहाड़ीखेरा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और बृजपुर-छतैनी सड़क स्वीकृति की जानकारी भी दी। बमीठा से सलैया-बहेरा तक फोरलेन सड़क की सौगात की जानकारी से भी ग्रामवासियों को अवगत कराया गया। उन्होंने कहा कि किसानों को सिंचाई सुविधा का लाभ प्रदान किया जाएगा। स्वामित्व योजना में गरीब व्यक्तियों को भू अधिकार पत्रों का वितरण होगा। उन्होंने लोगों से बड़-चड़ कर योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की अपील की।

फीता काटकर कराया गृह प्रवेश-खनिज साधन मंत्री, नपाध्यक्ष एवं जिला कलेक्टर ने प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के हितग्राही वार्ड क्रमांक 4 निवासी आशाराम वंशकार को स्वयं के पक्के मकान में गृह प्रवेश कराया। आशाराम के घर में फीता काटकर गृह प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर परिवारजनों से चर्चा कर अन्य सरकारी योजनाओं के लाभ के बारे में जानकारी ली। परिजनों द्वारा मंत्री और अन्य अतिथियों का आत्मीय स्वागत भी किया गया। खनिज मंत्री ने बंगाली समाज बाहुल्य ग्राम रक्सेहा में ग्रामवासियों के साथ सामूहिक भोज भी किया।

समर्थ, सशक्त और आत्मनिर्भर बनें दिव्यांग बंधु : सतेन्द्र लोहिया

जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र में दिव्यांग मिलन कार्यक्रम आयोजित

दिव्यांगजनों को स्वाभलंबी बनाने के लिए बनायेंगे योजना: कौशिक

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। दिव्यांगजन अपनी दिव्यांगता को कमजोरी ना माने बल्कि उसे हथियार बनाकरस्वयं को आगे लाएं और स्वयं को समर्थ बनाएं और समाज कार्य और देशहित में अपना योगदानदें। अपनी छोटी मोटी जरूरतों के लिए समाज और सरकारों पर निर्भर ना रहे। आप एक लक्ष्यलें और उसके अपने परिश्रम और अभ्यास से हासिल करें। यदि कहीं कोई व्यवस्था आपके लिएबाधक बन रही है तो दिव्यांग अधिकार कानून 2016 का सहारा लें और अपने सभी कार्य निडरताके साथ पूरे कराएं।यह बात विक्रम अवार्डी एवं दिव्यांग तैराक सतेन्द्र लोहिया ने जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्रमें आयोजित दिव्यांग मिलन समारोह में बतौर मुख्यअतिथि कही। उन्होंने आगे कहा कि उन्होनेएक गांव से निकलकर विश्व मंच तक अपने समाज और देश का मान बढाया ऐसे ही सभीदिव्यांग बंधु एवं बहने परिस्थिति का रोना ना रोएं बल्कि समाज हित में अपना कर्तव्य पूरा करें।स्वयं को समर्थ और सशक्त बनाएं।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उद्यमी एवं लघु उद्योग भारती के जिला इकाई के अध्यक्षपुरूषोत्तम कौशिक ने कहा कि हम

दिव्यांग बंधुओं की छोटी-छोटी मदद कर उन्हे लाचार नाबनाएं बल्कि उनके स्वाभलंबन की दिशा में कार्य करें ताकि वे अपने पैरों पर खडे हो सकें। हमजल्द ही लघु उद्योग भारती की मदद से ऐसा विशेष प्रयास करेंगे और दिव्यांग बंधुओं को उनकेपैरों पर खड़े होने में मदद करेंगे।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सेवा भारती ग्वालियर महानगर के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ **अस्थिरोग**-विशेषज्ञ डॉ.श्रीप्रकाश लोहिया ने कहा कि जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र विगत कुछ वर्षो से बहुत उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। मैं दिव्यांग बच्चों के लिए यदि वाहन की व्यवस्था यहां हो तोउस कार्य के लिए मैं अपनी ओर से सहयोग अवश्य दूंगा।नगर पालिका आंतरी की कार्यपालन अधिकारी श्रीमती रीता कैलासिया ने विशिष्ट अतिथिमें मंच से कहा कभी भी अपनी दिव्यांगता से दुःखी ना हों, यदि आपका संकल्प पक्का है तोईश्वर भी चमत्कार करता है। आपको हार नहीं माननी है, आप यदि कडी मेहनत और सहीदिशा में प्रयास करेंगे तो आपको सफलता जरूर मिलती है। ये मेरा निजी अनुभव है।कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत समिति के वरिष्ठ सदस्य श्री अजीत व्ही. जुवेकर, श्रीप्रमोद खण्डेलवाल एवं डॉ. मंयक श्रीवास्तव ने श्रीफल एवं पुष्प से किया। जिला दिव्यांग पुनर्वासकेन्द्र के सचिव दिनेश शर्मा ने दिव्यांग केन्द्र व मिलन कार्यक्रम का उदेश्य बताया वहीं समितिके वरिष्ठ सदस्य एवं नगर निगम ग्वालियर से सेवानिवृत उपायुक्त जगदीश अरोरा ने दिव्यांगहित में चल रहीं शासकीय योजनाओं की जानकारी मंच से साझा की। दिव्यांग बंधुओं को आरही दिक्कतों और आगे के लिए क्या बेहतर किया जा सकता है, इसके लिए आयोजित है। प्रतिमाह होनेवाले आयोजन के क्रम में यह चौथा दिव्यांग मिलन समारोह था, जिसका आयोजन दिनांक 08फरवरी 2023 को जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र परिसर में किया गया।

कार्यक्रम का संचालन समिति सदस्य डॉ. मयंक श्रीवास्तव ने किया। अतिथियों का परिचय जिलादिव्यांग पुनर्वास केन्द्र के प्रशासनिक अधिकारी गिरीश कुमार ने दिया। कार्यक्रम का संचालनकेन्द्र के सीनियर फीजियोथैरेपिस्ट विक्रांत अवस्थी ने तथा आभार समिति सदस्य श्री प्रमोदखण्डेलवाल ने व्यक्त किया। मंच से अतिथियों द्वारा दिव्यांगजनों को यूडीआईडी एवं सहायकउपकरण प्रदान किए गए। कार्यक्रम में 60 से अधिक दिव्यांग बंधु भगिनी एवं करीब 60 सेअधिक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।उल्लेखनीय है कि हर माह जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र, ग्वालियर में हर माह दिव्यांगबंधुओं के लिए दिव्यांग मिलन एवं अभिभावक बैठक का आयोजन किया जाता

राष्ट्र को दिशा देता है मर्यादित जीवन : संत गोपाल

संतश्री गोपाल दास महाराज ने कथा का श्रवण कराते हुए कहा कि अमर्यादित आचरण जीवन में दुःख-भोग का कारण बनता है। इसलिए जरूरी है कि जीवन मर्यादित हो। क्योंकि मर्यादित जीवन ही परिवार, समाज व राष्ट्र को दिशा देता है। भगवान श्रीराम तो अपने आचरण और व्यवहार से मर्यादा पुरुषोत्तम बन गए।संतश्री ने कहा कि भगवान का नाम-जाप करने वाले का कभी कोई अहित नहीं होता है। भगवत जाप से सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है। प्रभु नाम-जाप से जीवन में पवित्रता आती है। इसलिए जरूरी हो जाता है कि पवित्र भाव से अहंकार मुक्त जीवन जीना चाहिए। जब जीव के मन में अहंकार आ जाता है तो फिर समस्याएं जन्म लेने लगती हैं।उन्होंने भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण और जगत के पालनहार श्रीहरि के प्रसंगों का वर्णन करते हुए कहा लोग कहते हैं कि भगवान श्रीराम से श्रीकृष्ण ब? हैं क्योंकि वे सौलह कलाओं के ज्ञाता है। लेकिन लोगों का यह भ्रम है। भगवान श्रीराम 12 कलाओं और श्रीकृष्ण को 16 कलाओं को जानकार माना जाता है। उसके पीछे भी महत्वूर्ण कारण है कि श्रीराम सूर्यवंश से हैं और श्रीकृष्ण चंद्रवंशी। सूर्य वंश में 12 और चंद्रवंश में 16भ् भाव हैं। ऐसे में प्रभु को किसी एक-दूसरे से कमतर आंकना मानव भूल है। भगवान तो स्वयं कहते हैं मैं तो मर्यादा में ही रहकर जीवन व्यतीत करता हूँ। ऐसे में इंसान के लिए भी जरूरी हो जाता है कि वह अहंकार मुक्त होकर परोपकारी भाव के साथ मर्यादित जीवन का ही पालन करे।

शहर के दो चौराहों का स्मार्ट सिटी के माध्यम से होगा सौंदर्यीकरण :सिंधिया

ग्वालियर। शहर के महादजी सिंधिया एवं माधव महाराज प्रथम चौराहा का सौंदर्यीकरण होगा। दोनों चौराहों के सौंदर्यीकरण में हैरीटेज का विशेष ध्यान रखा जायेगा। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को सुबह दोनों चौराहों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। शहर के सौंदर्यीकरण के लिये स्मार्ट सिटी द्वारा किए जा रहे कार्यों के तहत इन दो चौराहों का सौंदर्यीकरण भी किया जाना है। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने निरीक्षण के दौरान ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त किशोर कान्याल एवं सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती नीतू माथुर सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कृषि विश्वविद्यालय में राज विजय-75 व्याख्यानों का क्रम प्रांरभ

ग्वालियर। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर के अंतर्गत नाहेप परियोजना द्वारा आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में राज विजय-75 व्याख्यानों की श्रृंखला प्रांरभ की गई है। इसके अंतर्गत सेवानिवृत्त अधिष्ठाता, पषुपालन महाविद्यालय, हिसार एवं वर्तमान में वरिष्ठ सलाहकार आई.आई.टी. रोप? डॉ. नरेष कुमार राखा द्वारा ''एक सफल उद्यमी कैसे बने और उसकी तैयारी शुरू से ही कैसे करे'' विषय पर 10 फरवरी एवं 13 फरवरी को कृषि महाविद्यालय ग्वालियर में व्याख्यान दिया गया।इसी श्रृंख्ला में 14 फरवरी से कृषि महाविद्यालय, खंडवा, सीहोर, ग्वालियर, इंदौर तथा उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर में पांच-पांच दिन अमेरिका से आये हुए सह-प्राध्यापक डॉ. दीपक सैंटरा द्वारा पादप प्रजनन एवं बायो टेक्नोलॉजी विषय पर छात्र-छात्राओं को व्याख्यान दिया जाएगा। वे अपने व्याख्यान में यह भी बतायेंगे कि विद्यार्थी अध्ययन में आ रही परेषानियों का निराकरण कैसे करे। डॉ. सैंटरा विष्वविद्यालय परिसर में लगभग 30 दिनों तक रहेंगे।

भय और नफरत मिटाने के लिए कांग्रेस का हाथ जोड़ो अभियान: डॉ देवेन्द्र शर्मा

ग्वालियर । शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने बुधवार को ग्वालियर दक्षिण विधानसभा के वार्ड 34 के मतदान केन्द्र क्रमांक 107 पर हाथ से हाथ जो?ा अभियान चलाया गया।वार्ड क्रमांक 34 के मतदान केन्द्र 107 पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र शर्मा ने घर-घर में दस्तक देते हुए मतदान केन्द्र के निवासियों से चर्चा करते हुए कहा कि 9 साल में भाजपा की मोदी सरकार ने महंगाई, बेरोजगारी को चरम सीमा पर पहुंचा दिया है। 19 साल में मप्र की भाजपा सरकार ने ग्वालियर के साथ विश्वासघात किया है। विकास यात्रा निकालने वाली भाजपा ने विनाश कर दिया है। कांग्रेस का हाथ से हाथ जो?ा अभियान भाईचारा, सर्वधर्म सद्भाव, एकता और हिंदू, मुस्लिम, सिख इसाई की मजबूती के लिए है। नफरत भय फैलाने वालों को इस देश में जहर घोलने का अधिकार नहीं है।हाथ से हाथ जो?ा अभियान में अतुल पवार, ब्लॉक अध्यक्ष संतोष शर्मा, श्रीमती रानू शर्मा, अयुब खान, भगवान लाल सैनी, गोपाल सोलंकी, मुस्तवर नकबी, विक्की, पप्पू पाल, नारायण पुनिया, शहवाज अनिरूद्ध, पप्पू खान, प्रभात शर्मा, श्रीमती माया दुबे, जमुना आदिवासी, अनुभव सहित अनेक कांग्रेसजन सम्मिलित थे।

आने वाले दिनों में ग्वालियर का स्थान भी बडे शहरों में शामिल होगा :केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

ग्वालियर 7 केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि ग्वालियर में विकास की बडी परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने पर ग्वालियर के नागरिकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कुई सुविधायें उपलब्ध होने लगेंगीं। आधुनिक एयरपोर्ट, एलीवेटेड रोड, आधुनिक रेलवे स्टेशन, एक हजार बिस्तर का अस्पताल जैसी कई परियोजनायें कुछ ही दिनों में पूर्ण होंगी। ग्वालियर का नाम भी देश के बडे शहरों में शामिल होगा। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने बुधवार को ग्वालियर के वार्ड-46 के टापू मोहल्ला में विकास यात्रा के दौरान आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर के नागरिकों को पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चंबल से ग्वालियर पानी लाने का कार्य भी किया जायेगा। ग्वालियर के नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिये उद्योगों की स्थापना के भी प्रयास किए जा रहे हैं। इसके साथ ही निजी क्षेत्र का कोई बडा अस्पताल भी ग्वालियर में स्थापित हो, इसके लिये भी प्रयास हो रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश भर में विकास की अनेक परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही आम जनों की समस्याओं के निराकरण और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों को उनके घर पर ही उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकास यात्राओं का आयोजन भी किया जा रहा है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से अपील की कि विकास यात्रा के दौरान क्षेत्र में जाएँ और आम जनों से संवाद करें। इसके साथ ही उनकी समस्याओं का निराकरण भी मौके पर हो। यात्रा के दौरान शासकीय अमला भी क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों के साथ जाए, ताकि शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ आम जनों को उपलब्ध हो सके। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार के सहयोग से ग्वालियर विकास के लिये कई बडी परियोजनाओं को न केवल मंजूरी प्राप्त हुई है बल्कि उन पर काम भी प्रारंभ हो गया है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर में 1100 करोड रूपए की लागत की एलीवेटेड रोड, 500 करोड रूपए का एयरपोर्ट, 500 करोड रूपए की लागत से रेलवे स्टेशन का जीर्णोद्धार एवं एक हजार बिस्तर का अस्पताल जैसी अनेक परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इन परियोनाओं के पूर्ण होने पर ग्वालियर की तस्वीर व तकदीर बदली-बदली नजर

आयेगी। भाजपा जिला अध्यक्ष अभय चौधरी ने कहा कि विकास यात्रा के तहत सभी जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी आम जनों के बीच पहुँचकर शासन की कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ आम जनों को उपलब्ध करा रहे हैं। इसके साथ ही विकास कार्यों को प्रारंभ करने का कार्य भी किया जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश भर में विकास के कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही आम जनों के कल्याण के लिये भी अनेक योजनाओं के माध्यम से लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। समारोह में नगर निगम सभापति मनोज तोमर, पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता, पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी, कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त किशोर कान्याल सहित नगर निगम के पार्षदगण और बडी संख्या में रहवासी उपस्थित थे।

सिंधिया ने किया आंगनबाडी केन्द्र का निरीक्षण –केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आदि ग्रंथ के रचियता महर्षि बाल्मीकि के मंदिर पहुँचकर दर्शन किए। इसके पश्चात उद्यान में स्थापित आदर्श आंगनबाडी केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों से चर्चा भी की। आंगनबाडी केन्द्र में अध्यापक का कार्य करा रहे शिक्षकों से भी उन्होंने विस्तार से चर्चा की।

स्वच्छता दूतों का सम्मान –केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विकास यात्रा के दौरान आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छता के कार्य में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वच्छता दूतों का भी माला पहनाकर सम्मान किया। इसके साथ ही उन्हें अच्छे कार्य के प्रमाण-पत्र भी वितरित किए।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478